RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:179 ता. 10 जनवरी 2023, मंगलवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

दो पक्षों के बीच फायरिंग के दौरान कोचिंग से लौट रहे एक छात्र की गोली लगने से मौत

मुरैना। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच हो रही फायरिंग के दौरान कोचिंग से पढ़कर लौट रहे एक छात्र की गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गयी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार शहर के सेल टैक्स वैरियर क्षेत्र निवासी राकेश राठौर का पुत्र देव राठौर कल देर शाम कोचिंग पढ़ने के बाद अपने पिता की दुकान से होते हुए घर जा रहा था। अम्बाह बाइपास मार्ग पर गजक बनाने वाले दो दुकानदारों के बीच किसी विवाद के चलते दोनों तरफ से एक दूसरे पर फायरिंग की जा रही थी। उसी दौरान छात्र देव राठौर को एक गोली सीने में लगी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

देश में 24 घंटे में कोरोना के 170 नए मरीज

नई दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस से संक्रमित 170 नए मरीज सामने आए हैं। इस अवधि में 221 लोग स्वस्थ हुए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में कोरोना वायरस के कुल एक्टिव मामले 2,371 हैं। इसके साथ देश में अबतक 4,41,47,002 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं। पिछले 24 घंटे में देशभर में 85,282 नमूनों की जांच की गई। अबतक कुल 91.21 करोड़ लोगों का कोरोना टेस्ट किया जा चुका है। देश का मौजूदा रिकवरी रेट 98.8 है और दैनिक संक्रमण की दर 0.20 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में कोरोना वैक्सीन की 10,336 खुराक दी गई। इसके साथ देश में अबतक कुल 220.14 करोड़ वैक्सीन दी जा चुकी है।

भारत जोड़ो यात्रा के मुरीद हुए शत्रुघ्न सिन्हा

लाल चौक के बाद लाल किले पर भी झंडा फहराएंगे राहुल गांधी-शत्रुघ्न सिन्हा

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा की जमकर तारीफ करते हुए इसे ऐतिहासिक और क्रांतिकारी यात्रा बताया है। पश्चिम बंगाल के आसनसोल संसदीय क्षेत्र से तृणमूल सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा है कि कश्मीर के लाल चौक पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने जा रहे राहुल गांधी एक दिन लाल किले पर भी राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। उन्होंने कहा कि उपहास का पात्र बनाये जाने से लेकर सम्मान हासिल करने तक की उनकी यह यात्रा उनकी उपलब्धियों और काबलियत को दर्शाती है। समाचार एजेंसी एएनआई को दिये एक साक्षात्कार में शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से राहुल गांधी एक युवा आइकॉन के रूप में उभरे हैं और अब उनकी छवि पहले की तुलना में एकदम बदल गयी है। शत्रुघ्न सिन्हा ने आरोप लगाया कि कुछ लोग जानबूझकर राहुल गांधी की छवि खराब करने का अभियान चलाते हैं लेकिन अब उनको निराशा ही हाथ लगेगी।

शत्रुघ्न सिन्हा ने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि राहुल गांधी में प्रधानमंत्री बनने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने देश की हमेशा सेवा की है और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार ने देश के लिए काफी योगदान दिया है। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की तुलना लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा और पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की यात्रा से की जा सकती है। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में भारत जोड़ो यात्रा का निश्चित रूप से असर पड़ेगा।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी गेम चेंजर के रूप में उभरेंगी और उस समय देश में एक अलग ही माहौल होगा। उन्होंने दावा किया कि अब ममता बनर्जी एक आयरन लेडी बन चुकी हैं और कोई भी दल उन्हें हल्के में नहीं ले सकता। उन्होंने कहा कि विपक्षी एकता समय की जरूरत है लेकिन इसके लिए सभी को प्रयास करने होंगे। तृणमूल कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा निकाली जा रही समाधान यात्रा की भी सराहना करते हुए कहा कि इससे जनता को बड़ा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार एक लोकप्रिय नेता हैं और जनता के बीच हर नेता को जाना ही चाहिए।

> ● शत्रुघ्न सिन्हा ने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि राहुल गांधी में प्रधानमंत्री बनने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने देश की हमेशा सेवा की है और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार ने देश के लिए काफी योगदान दिया है।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला

महाराष्ट्र की अदालत ने सुनवाई चार फरवरी तक स्थगित की

ठाणे। महाराष्ट्र के भिवंडी शहर की एक अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि मामले की सुनवाई चार फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी है। मामला शनिवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी एल सी वाडिकर के समक्ष सुनवाई के लिए आया। गांधी और शिकायतकर्ता राजेश कुंटे के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद मजिस्ट्रेट ने मामले की सुनवाई के लिए चार फरवरी की तारीख तय की। कुंटे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक स्थानीय कार्यकर्ता हैं।

हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर भूकंप के झटकों से धरती हिली

शिमला। हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर भूकंप के झटकों से धरती हिली। रविवार आधी रात प्रदेश में भूकंप के झटके महसूस किए गए। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के मुताबिक भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.5 मापी गई। यह भूकंप मध्यरात्रि 12:42 बजे आया। इसका केंद्र मंडी जिला के सुंदरनगर के समीप बेयरकोट गांव में जमीन से पांच किलोमीटर की गहराई में था। आसपास के जिलों में भी तीन से पांच सेकंड तक झटके महसूस किए। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निदेशक सुदेश मोक्ता ने बताया कि तीव्रता कम होने के कारण भूकंप से कहीं भी नुकसान की रिपोर्ट नहीं है। उल्लेखनीय है कि पिछले 23 दिनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों में छह बार भूकंप आया है। 03 जनवरी को सोलन जिला में 2.7 तीव्रता के भूकंप के झटके लगे थे। इससे पहले 31 दिसंबर को मंडी जिला में भी इतनी ही तीव्रता का भूकंप आया था। 26 दिसंबर को कांगड़ा, 21 दिसंबर को लाहौल-स्पीति और 16 दिसंबर को किन्नौर जिला में भूकंप के झटके लग चुके हैं। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश भूकंप की दृष्टि से अति संवेदनशील जोन चार और पांच में शामिल है। भूविज्ञानी इस पर्वतीय राज्य में शक्तिशाली भूकंप आने की आशंका जता चुके हैं। वर्ष 1905 में कांगड़ा और चम्बा जिलों में आए विनाशकारी भूकंप में 10 हजार से अधिक लोग मारे गए थे।

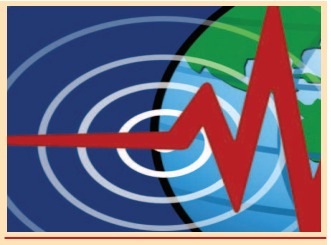

> ● राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निदेशक सुदेश मोक्ता ने बताया कि तीव्रता कम होने के कारण भूकंप से कहीं भी नुकसान की रिपोर्ट नहीं है। उल्लेखनीय है कि पिछले 23 दिनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों में छह बार भूकंप आया है। 03 जनवरी को सोलन जिला में 2.7 तीव्रता के भूकंप के झटके लगे थे।

महाराष्ट्र में सफल रही भारत जोड़ो यात्रा!

राहुल की तारीफ कर शरद पवार ने बताया प्लान

मुंबई। क्या भारत जोड़ो यात्रा महाराष्ट्र में विपक्ष को मजबूत करने में सफल रही है? संजय राउत और शरद पवार जैसे दिग्गज नेता ने राहुल गांधी की जिस तरह खुले मन से तारीफ की है, उससे यही सवाल उठ रहा है। संजय राउत ने राहुल गांधी की यात्रा को क्रांतिकारी बताया तो शरद पवार का कहना है कि राहुल गांधी ने दिखा दिया कि वह मेहनत कर सकते हैं। यही नहीं उनका कहना है कि विपक्षी एकता की उम्मीद बढ़ी है। इसमें राहुल गांधी अहम योगदान दे सकते हैं। शरद पवार ने तो अभी से ही यह ऐलान भी कर दिया कि लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी साथ मिलकर ही चुनाव लड़ेगा। यही नहीं उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में भी हम साथ मिलकर ही लड़ेंगे। शरद पवार ने रविवार को कहा कि भाजपा और एकनाथ शिंदे गुट को सत्ता से बाहर रखने के लिए हम साथ लड़ेंगे। लोकसभा चुनाव मई 2024 में होने वाले हैं, जबकि उसके बाद अक्टूबर में विधानसभा के इलेक्शन होंगे। शरद पवार ने कहा, हम नए सिरे से रणनीति बना रहे हैं।

हर स्तर पर बात हो रही है, लेकिन अब तक फाइनल निर्णय नहीं हो सका है। मुझे भरोसा है कि साथ मिलकर चुनाव लड़ने में कोई बाधा नहीं आएगी।

उद्धव ठाकरे को अब भी ताकतवर मानते हैं शरद पवार-पवार ने उद्धव ठाकरे को अब भी ताकतवर बताते हुए कहा कि कट्टर शिवसैनिक उनके साथ हैं। उन्होंने कहा कि सांसदों और विधायकों के एक गुट ने एकनाथ शिंदे का साथ दिया है, लेकिन अब भी पुराने शिवसैनिक उद्धव ठाकरे के ही साथ हैं। पवार बोले, कुछ लोगों ने उन्हें छोड़ दिया है। लेकिन जितनी जानकारी मेरे पास हैं, उनके साथ कट्टर शिवसैनिक बने हुए हैं। वह कभी अपनी आस्था नहीं बदलेंगे। महाराष्ट्र के सबसे सीनियर नेता कहे जाने वाले पवार ने कहा कि हमारे साथ मिलकर लड़ने में कोई बाधा नहीं आएगी। बता दें कि 2019 में विधानसभा चुनाव भाजपा और शिवसेना ने मिलकर लड़ा था। इस इलेक्शन में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनी थी, लेकिन शिवसेना सीएम पद ढाई साल के लिए चाहती थी। इस पर विवाद छिड़ गया था और अंत में शरद पवार ने बड़ा गेम खेल दिया था। उन्होंने शिवसेना और कांग्रेस को एक खेमे में लाते हुए गठबंधन तैयार किया था। महाराष्ट्र की राजनीति में यह बड़ा बदलाव था, जब शिवसेना जैसी हिंदुत्ववादी पार्टी ने भाजपा को साथ छोड़कर कांग्रेस संग जाने का फैसला लिया। यही नहीं पवार की सलाह पर ही उद्धव ठाकरे को सीएम बनाया गया था।

घने कोहरे के चलते आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से नीचे गिरी निजी बस

तीन की मौत; 17 घायल

कन्नौज। यूपी के कन्नौज में घने कोहरे की वजह से बड़ा हादसा हो गया है। यहां एक तेज रफ्तार निजी स्लीपर बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से नीचे गिर गई। बस में कुल 40 यात्री सवार थे।दुर्घटना में तीन यात्रियों की मौत हो गई जबकि 17 लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पांच यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार की रात करीब 11 बजे यह निजी बस दिल्ली से लखनऊ के लिए रवाना हुई थी। घने कोहरे के कारण कन्नौज के ठठिया थाना क्षेत्र के बांसुरिया गांव के पास बस अचानक बेकाबू होकर एक्सप्रेस वे से नीचे गिर गई। इस दुर्घटना में बस के परखच्चे उड़ गए। हादसे में तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि 17 लोग घायल हैं। दुर्घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और यूपीडा की टीम ने घायलों को तत्काल मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की शिनाख्त अभी तक नहीं हो सकी है। कोशिश की जा रही है। घायलों में से पांच लोगों की हालत अत्यंत गंभीर है। सभी यात्रियों के परिवारजनों को सूचना दी जा रही है।

दिल्ली में 'कोल्ड अटैक', घने कोहरे से थमी वाहनों की रफ्तार; कई शहरों में जीरो विजिबिलिटी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। घने कोहरे की वजह से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ठिठुरन वाली ठंड के बीच दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई राज्य घने कोहरे (स्नश्द्द) की चादर में लिपटे हैं। आलम ये है कि सड़कों पर जीरो दृश्यता की वजह से गाड़ियों के इंडिकेटर भी दिखाई देने मुश्किल हो रहे हैं।

ऑरेंज अलर्ट जारी

मौसम विभाग के मुताबिक, प्रचंड ठंड और कोहरे से आज (सोमवार), 9 जनवरी को भी राहत मिलने की संभावना नहीं है। IMD ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 9 जनवर 2023 के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। ठंड और कोहरे की वजह से उड़ानों पर भी असर पड़ रहा है। वहीं, कई ट्रेनें भी लेट चल रही हैं।

दिल्ली के कई इलाकों में जीरो दृश्यता

मौसम विभाग के मुताबिक, सुबह 5.30 बजे पंजाब के बठिंडा, उत्तर प्रदेश के आगरा, बरेली और लखनऊ में जीरो द्रश्यता दर्ज की गई। हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कई इलाकों में भी जीरो दृश्यता रही।

शीतलहर की चपेट में हैं कई हिस्से-मौसम विभाग के मुताबिक, सुबह 5.30 बजे पंजाब के बठिंडा, उत्तर प्रदेश के आगरा, बरेली और लखनऊ में जीरो दृश्यता दर्ज की गई। हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कई इलाकों में भी जीरो दृश्यता रही।

बारिश की संभावना

मौसम विभाग ने कहा था कि उत्तर प्रदेश में अगले दो दिनों के दौरान और उसके बाद अगले तीन दिनों के लिए अलग-अलग इलाकों में बारिश होने की भी संभावना है।

देरी से चल रही हैं ट्रेनें

एक तरफ गलन भरी शीतलहर और दूसरी तरफ धुंध और कोहरा। ठंड के इस अटैक ने लोगों को घरों में कैद रहने को मजबूर कर दिया है। ठंड के चलते आम जनजीवन के साथ-साथ यातायात भी प्रभावित हो रहा है। कोहरे की मार सबसे ज्यादा यातायात पड़ पर रही है। रफ्तार पर ब्रेक लग गई है। कोहरे की मारी लंबी दूरी की ट्रेनों पर भी पड़ रही है। कई ट्रेनें भी लेट हो रही हैं जिससे यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

उत्तराखंड में कड़ाके की सर्दी

उत्तराखंड में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। यहां के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों तक बर्फबारी के साथ बारिश होने की संभावना है। जबकि निचले इलाकों कई जगहों पर बादल छाए रह सकते हैं। केदारनाथ धाम का तापमान माइनस दो डिग्री के आसपास है।

उर्स-ए-मुबारक के चलते 2 दिन बंद रहेंगी दिल्ली की ये सड़कें

कई जगह डायवर्जन, पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने अजमेर शरीफ के सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 811वें उर्स-ए-मुबारक के मद्देनजर एक ट्रैफिक एडवाइजरी जारी कर लोगों को वैकल्पिक मार्गों के बारे में सूचित किया। तीन दिवसीय कार्यक्रम रविवार को शुरू हुआ, जिससे दिल्ली के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में यातायात प्रभावित हुआ। अधिकांश दफ्तरों के खुलने के साथ ही सोमवार और मंगलवार को भी यातायात प्रभावित रहने की संभावना है। पुलिस ने कहा कि इन दो दिनों में जामा मस्जिद चौक, मटिया महल-चितली कबर, तिराहा बैरम खान, दिल्ली गेट, आईटीओ, प्रगति मैदान, मटका शाह बाबा, पुराना किला, सुंदर नगर, ओबेरॉय होटल और दरगाह हजरत निजामुद्दीन जैसे कई हिस्सों में यातायात प्रभावित रहेगा।

रविवार को जाम में फंसे यात्री अंकित कुमार ने कहा कि हयात रीजेंसी के पास एम्स की ओर यातायात धीमा था। हालांकि, मैंने अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग लिया।

विशेष सिंह नामक एक अन्य यात्री ने कहा कि प्रगति मैदान सुरंग के बंद होने के कारण भैरों मार्ग के पास बाहरी रिंग रोड पर उन्हें भारी यातायात जाम का सामना करना पड़ा। विशेष सिंह ने कहा कि सुरंग हर रविवार को बंद रहती है, जिससे सप्ताहांत पर भी बाहरी रिंग रोड पर वाहनों की गति बेहद धीमी हो जाती है।

> ● दिल्ली पुलिस ने अजमेर शरीफ के सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 811वें उर्स-ए-मुबारक के मद्देनजर रविवार को एक ट्रैफिक एडवाइजरी जारी कर लोगों को वैकल्पिक मार्गों के बारे में सूचित किया है।

इस जुलूस के दौरान रविवार को दोपहर एक बजे से मध्य दिल्ली के कई स्थानों पर यातायात प्रतिबंध लगा दिया गया। पुलिस के मुताबिक, जुलूस निकाले जाने के दौरान मटिया महल रोड, नेताजी सुभाष मार्ग, दिल्ली गेट, बहादुर शाह जफर मार्ग, जेएलएन मार्ग, आईटीओ क्रॉसिंग, डब्ल्यू-पॉइंट, मथुरा रोड, शेरशाह रोड-मथुरा रोड जंक्शन, सुब्रमण्यम भारती मार्ग-मथुरा रोड जंक्शन, डीपीएस स्कूल से नीला गुम्बद की ओर जाने वाले मार्ग और मथुरा रोड पर मार्ग परिवर्तन और अन्य यातायात संबंधी प्रतिबंध लगाए गए।

इन इलाकों में प्रभावित रहेगा ट्रैफिक

ट्रैफिक पुलिस की ओर से जारी एडवाइजरी के मुताबिक इसी तरह के प्रतिबंध सोमवार को लोधी रोड, सफदरजंग रोड, आईएनए मार्केट, अरबिंदो मार्ग- हौज खास-आईआईटी से कुतुब मीनार महरौली तक लागू रहेंगे। एडवाइजरी के मुताबिक, मंगलवार को अणुव्रत मार्ग, अंधेरिया मोड़ चौराहा, एमजी रोड अंधेरिया मोड़ से आया नगर बॉर्डर तक यातायात संबंधी प्रतिबंध लागू रहेंगे। सोमवार को जुलूस लोधी रोड, सफदरजंग रोड, आईएनए, ग्रीन पार्क, हौज खास-आईआईटी गेट, अधचीनी गांव, दरगाह माई साहिबा होते हुए निकाला जाएगा। जुलूस मंगलवार को मीना बाजार से होते हुए किला मस्जिद में दो घंटे रुकेगा और अंधेरिया मोड़ और गुरुग्राम के एमजी रोड से होते हुए हरियाणा में प्रवेश करेगा। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को सलाह दी कि वे सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें और सड़क के किनारे वाहन खड़ा करने से बचें।

शीतलहर के कारण 114 हृदय रोगियों की हुई मौत

कानपुर। शीतलहर के कारण आठ दिनों में शहर और आस-पास के जिलों के 114 हृदय रोगी हार्ट अटैक से दम तोड़ चुके हैं। इलाज के दौरान 51 मरीजों की मौत हुई है। वहीं 63 मरीज हार्ट अटैक पड़ने के बाद मृत अवस्था में अस्पताल पहुंचे। एक से आठ जनवरी के बीच हृदय रोग संस्थान की ओपीडी और इमरजेंसी में कुल 5273 मरीज समस्या लेकर आए। रविवार को भी यहां इलाज के दौरान पांच मरीजों की मौत हो गई जबकि 11 मरीजों की अस्पताल पहुंचने से पहले ही सांसें थम चुकी थीं। संस्थान के डॉक्टर ने बताया कि हाइपरटेंशन मधुमेह और दिल की समस्या से जूझ रहे मरीजों के लिए कड़ाके की सर्दी जानलेवा साबित हो रही है। इनमें उम्रदराज व्यक्ति ही नहीं युवाओं की भी काफी संख्या है। पिछले सात दिनों में हृदय रोग संस्थान में 373 मरीजों को भर्ती किया गया। इसमें 218 मरीज वे थे जिनका आपरेशन किया गया जबकि 114 लोगों की जान चली गई। निदेशक के मुताबिक पिछले वर्षों में एक सप्ताह में यह मौत का सर्वाधिक आंकड़ा हो सकता है।

मृतक अंजलि के घर में अज्ञात लुटेरों ने तोड़फोड़ कर सामान उठा ले गए

नई दिल्ली। दिल्ली के कंझावला केस में मारी गई अंजलि के घर में अज्ञात लुटेरों ने तोड़फोड़ कर टीवी सहित अन्य सामान उठा ले गए। चोरी के इस मामले में पुलिस अभी तक कोई ब्यौरा नहीं दे सकी है लेकिन लोगों ने कहा कि उन्होंने अंजलि के परिवार के सदस्यों को सोमवार सुबह करीब 7.30 बजे उनके घर में लूट की सूचना दी। घर का ताला टूटा हुआ था और कई सामान गायब थे। अंजलि की रिश्तेदार अनु ने बताया कि पड़ोसियों ने उन्हें चोरी के बारे में बताकर कहा चोरी के पीछे हमें निधि का हाथ होने का शक है। निधि पकड़े जाने के डर से अपना सामान हमारे घर में रखने की कोशिश कर रही है। अंजलि के परिजन भी पुलिस पर उंगली उठा रहे हैं। 1 जनवरी को अंजलि और निधि रोहिणी के एक होटल में पार्टी के बाद घर जा रहे थे। तभी उनकी मारुति बलेनो कार से टक्कर हो गई। निधि को मामूली चोटें आईं लेकिन अंजलि कई किलोमीटर तक कार के नीचे घसीटती चली गई। इससे पहले पुलिस ने निधि का धारा 164 सीआरपीसी के तहत बयान दर्ज कर घटना की चश्मदीद गवाह बनाया। पुलिस ने सात आरोपियों आशुतोष अंकुश खन्ना दीपक खन्ना अमित खन्ना कृष्ण मिथुन और मनोज मित्तल को गिरफ्तार किया था। अंकुश को हाल ही में कोर्ट ने जमानत दी थी।

सिख फॉर जस्टिस ने सीएम सुखविंदर सिंह को जान से मरने की धमकी दी

शिमला। खालिस्तान की मांग करे सिख फॉर जस्टिस ग्रुप के सरगना गुरवंत सिंह पन्नू ने हिमाचल के सीएम सुखविंदर सिंह को जान से मारने की धमकी दी है। उन्होंने मेल के द्वारा पत्रकारों को यह धमकी संदेश भेजा है। संदेश में सीएम सुक्खू को सलाह दी है कि वह कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो को समर्थन ना दें। यदि वह ऐसा करते हैं तब उनकी हत्या कर दी जाएगी। पन्नू ने कहा कि सीएम ठाकुर को 2021 में हिमाचल में भिंडारावाल के पोस्टर लगाने वाली घटना से सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिमाचल पंजाब का हिस्सा है वहीं शिमला खालिस्तान की राजधानी बनेगी। बीते साल मई 2021 को पन्नू ने तत्कालीन मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को भी धमकी भरा संदेश भेजा था। पन्नू ने कहा था कि मुख्यमंत्री ठाकुर मोहाली में हुए आरपीजी अटैक से सबक लेना चाहिए। ऐसा अटैक हिमाचल के शिमला पुलिस मुख्यालय पर भी हो सकता है। उन्होंने कहा वह सिक्ख फार जस्टिस के साथ न उलझें और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को देख लें। पन्नू ने चेतावनी दी है कि अगर मुख्यमंत्री ठाकुर ने तपोवन विधानसभा में खालिस्तान के झंडे लगाने के मामले में कोई कार्रवाई करते हैं तब सिक्ख फार जस्टिस इस उल्लंघन समझेगी और इसका परिणाम मुख्यमंत्री ठाकुर को भुगतना होगा। हालांकि के बाद मुख्यमंत्री ठाकुर की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई थी।

कोहरे के कारण रेल सेवा प्रभावित, 260 ट्रेनों का परिचालन रद्द

नयी दिल्ली। खराब मौसम के कारण सोमवार को 260 ट्रेनों का परिचालन रद्द किया गया है। रेलवे ने यह जानकारी दी। सोमवार सुबह पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार तक कोहरा छाया रहा जिससे दृश्यता काफी कम हो गई और सेवाएं प्रभावित हुईं। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया, '' कुल 267 ट्रेनों का परिचालन रद्द किया गया है जिसमें 82 एक्सप्रेस ट्रेन, 140 यात्री ट्रेन तथा 40उप नगरीय ट्रेन शामिल हैं।'' इससे पहले रविवार को कोहरे के कारण 335 ट्रेन विलंब से चल रही थीं, 88 का परिचालन रद्द किया गया था और 31 का मार्ग परिवर्तित किया गया। बठिंडा और आगरा में दृश्यता का स्तर शून्य मीटर रहा, पटियाला, चंडीगढ़, अंबाला, भिवानी, सफदरजंग, रिज, गंगानगर, वाराणसी, फुर्सतगंज और भागलपुर में 25 मीटर वहीं हिसार, करनाल, पालम, मेरठ, लखनऊ, बहराइच और पटना में 50 मीटर रहा।

बीएसएफ ने दो बार पाकिस्तानी ड्रोन के घुसने की कोशिश नाकाम की

चड़ीगढ़। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने फिर पाकिस्तानी ड्रोन के द्वारा ड्रग्स और हथियार भेजने की साजिश को नाकाम किया। पंजाब की अंतरराष्ट्रीय सीमा के अंदर घुसे पाकिस्तानी ड्रोन को जवानों ने गोलीबारी कर खदेड़ दिया। जानकारी के मुताबिक ड्रोन ने गुरदासपुर के आदीया पोस्ट पर 2 बार घुसपैठ की कोशिश की। इसके बाद बीएसएफ की ओर से ये जानकारी दी गई है। बीएसएफ ने बताया कि रविवार देर रात गुरदासपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारतीय क्षेत्र में 2 बार घुसपैठ की कोशिश कर रहे पाकिस्तानी ड्रोन को जवानों ने गोलीबारी कर खदेड़ा दिया। जानकारी के मुताबिक गश्त के दौरान गुरदासपुर सेक्टर के आदीया पोस्ट पर रविवार देर रात करीब 9.35 बजे पाकिस्तान की तरफ से आते ड्रोन की गतिविधि देखी गई। इसके बाद बीएसएफ के जवानों ने 74 राउंड ताबड़तोड़ गोलीबारी की और 2 रोशनी करने वाले बम चलाए गए। इसके बाद रात 10.20 बजे गुरदासपुर सेक्टर में आदीया पोस्ट के पास ही एक बार फिर ड्रोन ने भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश की जिसे दोबारा बीएसएफ के जवानों ने गोलीबारी कर खदेड़ दिया। गोलीबारी के चलते ड्रोन फेंसिंग के ऊपर से ही पाकिस्तान की तरफ वापस चला गया। जानकारी के मुताबिक ड्रोन करीब 15 मिनट तक भारतीय सीमा में घूमता रहा।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी की पंजाब और जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा पुख्ता करने की तैयारी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के पंजाब और जम्मू-कश्मीर में प्रवेश को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने दोनों जगह पुख्ता तैयारी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक दोनों राज्य संवेदनशील हैं इसके बाद राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने सुरक्षा रिव्यू भी किया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा उचित सुरक्षा बलों की तैनाती और स्थानीय पुलिस से समन्वय की प्रक्रिया भी की जा रही है। जानकारी के मुताबिक इस माह राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पंजाब और फिर जम्मू-कश्मीर पहुंचेगी। इस लेकर केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने पंजाब और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ संपर्क साधा है और जिस जिस जगह से राहुल की यात्रा गुजरेगी वहां की जानकारी साझा करने को कहा है। यात्रा के दौरान सीआरपीएफ के साथ दोनों राज्यों की पुलिस भी बड़ी संख्या में तैनात होगी। दरअसल पिछले कुछ महीनों में पंजाब और जम्मू कश्मीर में जो घटनाएं हुईं हैं उस लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं और हर लोकेशन की रेकी की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी को जेड प्लस सुरक्षा मिली हैं। इसकारण कि इन संवेदनशील राज्यों में सुरक्षा के इंतजाम भी उसी स्तर पर किए जा रहे हैं। वहीं खुफिया एजेंसी आईबी ने भी अपनी थ्रेट परसेप्शन रिपोर्ट सौंपी है। इसके बाद राहुल गांधी की सुरक्षा का रिव्यू किया गया है। गौरतलब है कांग्रेस ने दिसंबर के महीने में यात्रा के दौरान राहुल की सुरक्षा व्यवस्था की मांग उठाकर गृह मंत्रालय को पत्र लिखा था। इसके जवाब में सीआरपीएफ ने कहा था कि राहुल की ओर से खुद सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया गया।

अब समय की मांग है कि गाय आधारित प्राकृतिक खेती पर जोर दिया जाए: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों को प्रेरित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन से हो रहे खतरे को देखते हुए अब समय की मांग है कि गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर जोर दिया जाए। योगी आदित्यनाथ अपने एक दिवसीय वाराणसी दौरे पर रविवार को काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के स्वतंत्रता भवन में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी सुफलाम के दूसरे दिन किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन की वजह से सबसे ज्यादा नुकसान धरती और जल का ही हुआ है। धरती माता के साथ खिलवाड़ गलत है। जो हर हाल में बंद होना चाहिए।

योगी ने जोर देकर कहा कि इसके लिए यह जरूरी है कि रसायन युक्त खेती की जगह गौ आधारित प्राकृतिक खेती की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में गंगा किनारे के जिलों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा; इसके लिए प्राकृतिक परिषद का गठन किया गया है। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि खुद के विकास के लिए लोग पर्यावरण को जहरीला बनाते जा रहे हैं। जीवन का अस्तित्व पांच तत्वों क्षितिज, जल, पावक, गगन, समीर से ही है और इसे अब बचाने की जरूरत है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार गंभीर है और किसानों को योजनाओं के जरिए लाभ दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अगले एक वर्ष तक भारत जी-20 देशों का नेतृत्व करके दुनिया को नया मार्गदर्शन देगा; यह भारत के लिए गर्व की बात है, यह वर्ष हम लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि एक दिसंबर 2022 से लेकर 30 नवंबर 2023 तक भारत को जी-20 का नेतृत्व करते हुए दुनिया के 20 बड़े देशों की नीति बनाने का अवसर प्राप्त हुआ है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में न केवल नेतृत्व करेगा, बल्कि दुनिया को एक नया मार्गदर्शन देगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य भैयाजी जोशी ने कहा कि हम आधुनिकता के पक्षधर हैं, मगर मर्यादाओं का पालन करने वाले हैं, भारत जो विचार दुनिया को दे रहा है उन विचारों का जीता जागता नमूना भी दिखाई पड़ना चाहिए, हमें संघर्ष नहीं बल्कि समन्वय के मार्ग से पृथ्वी की समस्याओं का समाधान करना हैद्य उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए भारत सरकार के कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि भारत की संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांतों पर आधारित है, पूर्वजों के इस ज्ञान को और अधिक शक्ति प्रदान करने की आवश्यकता है।

प्रवासी भारतीय सम्मेलन: सूरीनाम के राष्ट्रपति ने कहा- जननी व मातृभूमि स्वर्ग से बढ़कर

-पीएम मोदी की मां के निधन पर जताया शोक

-गुयाना के राष्ट्राध्यक्ष ने पीएम मोदी को सराहा

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर में गत दिवस से प्रवासी भारतीय सम्मेलन का आयोजन शुरू हो गया है। सुरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी सम्मेलन के मुख्य अतिथि हैं। अपने संबोधन की शुरुआत चंद्रिकाप्रसाद संतोखी ने हिन्दी में की तथा साथ ही कहा कि जननी और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। सुरीनाम के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मां के निधन पर भी अपनी संवेदना प्रकट की। उन्होंने प्रवासी भारतीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि बनाए जाने को लेकर भारत सरकार और मध्यप्रदेश का भी आभार प्रकट किया। उन्होंने भारत के साथ मजबूत रिश्ते बनाने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता भी जताई। उन्होंने कहा कि भारत आजादी का अमृतकाल मना रहा है। इस आयोजन का भी थीम ही सामयिक है। अमृतकाल नए युग की शुरुआत है। अमृत हमारे पूर्वजों की सदियों की मेहनत का नतीजा है।सूरीनाम राष्ट्रपति ने कहा कि आज भारत में सबसे स्वच्छ शहर के रूप में जाने जाने वाले और स्मार्ट शहरों में से एक के रूप में विकसित मंत्रमुग्ध करने वाले इंदौर और खूबसूरत एमपी की धरती पर पैर रखना मेरा सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि कैरेबियन और भारतीय डायस्पोरा के लिए कैरिबियन में हिंदी संस्कृति आदि में प्रशिक्षण के लिए संस्थान स्थापित किया जा सकता है। कैरेबियन में फिल्म उद्योग का समर्थन करने के लिए अकादमी में डायस्पोरा युवाओं को प्रतिभा दिखाने योग आयुर्वेद आध्यात्मिकता को जीवन के तरीके के रूप में प्रशिक्षित करने का अवसर मिल सकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में प्रवासी परियोजनाओं और कार्यक्रमों के लिए प्रवासी कोष बनाया जाना चाहिए। हमारे देश के विभिन्न स्थानों में प्रशिक्षण केंद्रों स्कूलों की स्थापना हिंदी भाषा सीखने के साथ-साथ धर्मों और संस्कृति और हमारी परंपरा के बारे में जानने के लिए शुरू की जानी चाहिए। चंद्रिकाप्रसाद संतोखी ने कहा कि डायस्पोरा देशों के लिए आधुनिक तकनीक में कैरेबियन हाई-टेक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना का स्वागत किया जाना चाहिए। मेरा देश सूरीनाम उन संस्थानों में से एक की मेजबानी करने को तैयार है।

वहीं सम्मेलन में शामिल गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से काफी प्रभावित नजर आए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के नारे को सराहा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसके बिना कोई भी आगे नहीं बढ़ सकता है। भारत प्रतिभाओं को निखारने में दुनिया में नंबर वन है। हम प्रवासियों के लिए भारत द्वारा चलाए जा रहे कई कार्यक्रमों से काफी कुछ सीख रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के मां के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि मोदी का हम आदर करते हैं कि जिस तरीके से उन्होंने अपनी जिम्मेदारी को संभाला वह काबिले तारीफ है।

इरफान अली ने कहा कि भारत के इतिहास में यह एक महत्वपूर्ण दिन है जब एमके गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे। इस दिन 107 साल पहले एक बार शारीरिक रूप से कमजोर दिखने वाले लेकिन नैतिक रूप से दृढ़ व्यक्ति वापस लौटे और भारत की आजादी के लिए संघर्ष तेज किया। उन्होंने कहा कि भारत ने अन्य विकासशील देशों की सहायता के लिए अपनी स्वतंत्रता के लाभों का उपयोग किया। पीएम मोदी हम आपके ऋणी हैं। जब दुनिया ने अपनी सीमाओं को बंद कर दिया और वैश्वीकरण विफल हो गया तो आपने दिखाया कि वैश्वीकरण अभी भी सफल हो सकता है और जब सबसे कठिन समय आता है तब भी प्यार होता है। अली ने कहा कि जब दुनिया को टीका नहीं मिला और आपने कोविड-19 महामारी की चुनौती का सामना किया तो आपने दुनिया को दिखाया कि असली प्यार और उम्मीद क्या है जब आपने बाकी दुनिया के साथ टीका साझा किया।

जी-20 की बैठक में सीएम ममता ने कहा- हम धर्म जाति या भाषाओं की विविधता के बावजूद एकजुट

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कोलकाता में जी-20 की बैठक में कहा कि उनकी सरकार विकास को मानवीय रूप देने में विश्वास करती है। तीन दिवसीय इस बैठक में जी-20 के सदस्य देशों से आए प्रतिनिधियों को संबोधित कर रही ममता ने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने 1.2 करोड़ रोजगार का सृजन किया है तथा राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कई गुना वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि राज्य में धर्म जाति या भाषाओं की विविधता के बावजूद लोग एकजुट हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बंगाल में विकास हुआ क्योंकि हमने महिलाओं किसानों और लघु कुटीर एवं मध्यम उपक्रम (एमएसएमई) को सशक्त बनाया। जी-20 की पहली ''ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर फाइनेन्शियल इन्क्लूजन बैठक में ममता ने कहा कि हमने 'सरकार आपके द्वार (दुआरे सरकार) कार्यक्रम की शुरुआत यह सुनिश्चित करने के लिए की कि लोगों को हमारी विकास संबंधी पहलों का लाभ मिले। इस कार्यक्रम ने राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किया। सीएम ममता ने कहा कि हमने (पश्चिम बंगाल ने) 1.2 करोड़ रोजगार का सृजन किया है। राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कई गुना वृद्धि की है। हम विकास को मानवीय रूप देने में विश्वास रखते हैं। ममता ने कहा कि बंगाल में विकास हुआ क्योंकि हमने महिलाओं किसानों और लघु कुटीर एवं मध्यम उपक्रम (एमएसएमई) को सशक्त बनाया।

मोदी सरकार के एक फैसले से चीनी खिलौना कारोबार को पड़ी गहरी चोट

-2021-22 में खिलौना इम्पोर्ट घटकर 57 प्रतिशत रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार के फैसले से चीन को कड़ी चोट पहुंची है। मोदी सरकार ने कहा कि हमारे द्वारा अभी तक लगभग 160 चीनी कंपनियों को भारत में खिलौने बेचने के लिए अनिवार्य क्वालिटी सर्टिफिकेट जारी नहीं किया है हालांकि कोरोना महामारी को देरी का कारण बताया। मोदी सरकार के फैसले से चीन से आयात होने वाले खिलौने के कारोबार पर बुरा असर पड़ा है क्योंकि दुनियाभर में चीन खिलौनों के बड़े निर्यातकों में से एक है और भारत में भी चाइनीज खिलौनों की काफी बिक्री होती है। जनवरी 2021 से भारत ने देश में खिलौनों की बिक्री के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से 'आईएसआई' का गुणवत्ता प्रमाणन चिह्न प्राप्त करना अनिवार्य किया है। बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने कहा लगभग 160 चीनी खिलौना कंपनियों ने पिछले 2 वर्षों में बीआईएस गुणवत्ता प्रमाणन के लिए आवेदन किया है। हमने अभी तक उन्हें कोविड-19 के मद्देनजर जारी नहीं किया है।

अनुमान के अनुसार भारत में खिलौना इंडस्ट्री का 1.5 अरब डॉलर का कारोबार है 2024 तक बढ़कर 2 से 3 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। भारत में खिलौनों के इस बड़े बाजार पर चाइनीज खिलौना का दबदबा है। इसका अंदाजा इस बात से लग सकता है कि भारत ने 2018-19 में खिलौनों का जितना आयात किया था उसमें 78 फीसदी इम्पोर्ट चीन से हुआ था। हालांकि धीरे-धीरे चीन से आयात होने वाले खिलौनों की संख्या घटी क्योंकि 2019-20 में कुल इम्पोर्ट 76 प्रतिशत 2020-21 में 74 फीसदी और 2021-22 में यह घटकर 57 प्रतिशत रह गया है। कुल मिलाकर साल दर साल चाइनीज खिलौना का इंपोर्ट धीरे-धीरे कम होता जा रहा है।

हालांकि अब 160 चीनी कंपनियों को भारत में खिलौने बेचने के लिए अनिवार्य क्वालिटी सर्टिफिकेट जारी नहीं होने से यह आयात और कम हो सकता है। इसकारण खिलौने बनाने वाली स्वदेसी कंपनियों को इसका सीधा लाभ मिल सकता है। हाई-क्वालिटी प्लास्टिक टॉय बनाने वाली कंपनी के प्रमुख ने कहा कि चाइनीज खिलौनों के इम्पोर्ट को प्रतिबंधित करने से घरेलू खिलौना निर्माताओं को प्रोत्साहन मिलेगा। इस मुद्दे पर पीएम मोदी के आश्वासन से खिलौना उद्योग को काफी साहस मिला है।

जनसंख्या नियंत्रण पर बोले नीतीश- मर्द लोग रोज-रोज करते ही रहता है, सुशील मोदी ने बताया सड़क छाप बयान

अगरतला (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने एक बयान की वजह से सुर्खियों में है। दरअसल, नीतीश कुमार समाधान यात्रा के तहत वैशाली में थे। यहीं पर जनसंख्या नियंत्रण को लेकर एक विवादास्पद बयान नीतीश कुमार ने दे दिया। अब नीतीश कुमार के इसी बयान को भाजपा बड़ा मुद्दा बना चुकी है। इस पर बिहार में राजनीतिक बवाल भी जबरदस्त तरीके से जारी है। नीतीश कुमार के इस बयान पर भाजपा उन पर जबरदस्त तरीके से हमलावर भी है। आज कभी नीतीश कुमार के बेहद करीबी रहे भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी ने भी उन पर पलटवार किया है। सुशील कुमार मोदी नीतीश कुमार के बयान को सड़क छाप बताया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने कल जैसा बयान दिया ये एक सड़क छाप बयान है। एक छरूसे ये अपेक्षा नहीं की जाती कि वो सेक्सिस्ट बयान दें।

भाजपा नेता ने आगे कहा कि ये ठीक है कि महिलाओं के शिक्षित होने से परिवार नियोजन को बढ़ावा मिलेगा मगर उन्होंने पुरूषों पर जो हल्की टिप्पणी की वो बहुत अपमानजनक है। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे पर नीतीश कुमार ने जिस तरह से महिलाओं पर सेक्सी कमेंट किया है, वह शर्मनाक है। उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार को लैंगिक भेदभाव और कामुकता से भरा बयान अविलंब वापस लेना चाहिए। भाजपा नेता और बिहार विधान परिषद में नेता विपक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि कुशासन कुमार ने जिन अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किया वह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। ऐसे शब्दों का प्रयोग कर वह मुख्यमंत्री पद की गरिमा को कलंकित कर रहे हैं।

वहीं, भाजपा के अमित मालवीय ने कहा कि यह सच है कि शिक्षित महिलाओं का अपने शरीर पर अधिक अधिकार होता है और परिवार नियोजन के मामलों में उनका अधिकार अधिक होता है। लेकिन बतौर सीएम नीतीश कुमार इसे बेहतर तरीके से फ्रेम कर सकते थे। इसका मतलब यह भी होना चाहिए कि जद (यू) सभी समुदायों की महिलाओं के लिए विवाह योग्य आयु में 21 वर्ष की प्रस्तावित वृद्धि का समर्थन करे। दरअसल, नीतीश कुमार प्रजनन दर पर बोल रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कहा कि महिलाएं पढ़ लेंगी, तभी यह आंकड़ा घटेगा। मर्द लोग तो हर दिन करते ही रहते हैं। उन्हें इससे मतलब नहीं होता कि बच्चा पैदा नहीं करना है। पढ़ी-लिखी महिलाएं इस बात को अच्छी तरह समझती है कि यह उन्हें नहीं करना है। महिलाएं पढ़ लिख जाएंगी तो प्रजनन दर घटेगी। हालांकि, जब नीतीश कुमार यह बात कह रहे थे तब वहां महिलाएं भारी संख्या में मौजूद थे।

'वन रैंक-वन पेंशन योजना: 15 मार्च तक बकाए का भुगतान करे केंद्र

-सुप्रीम कोर्ट का फरमान बिना किसी विलंब के दिया जाए राशि

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सशस्त्र बलों के सभी पात्र पेंशनभोगियों को 'वन रैंक-वन पेंशन योजना के तहत बकाये के भुगतान के लिए केंद्र को 15 मार्च 2023 तक का समय दिया। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की एक पीठ ने केंद्र से यह सुनिश्चित करने को कहा कि बिना किसी विलंब के बकाया राशि का भुगतान सभी पेंशनभोगियों को तुरंत किया जाए। शीर्ष अदालत ने ओआरओपी के बकाये के भुगतान में केंद्र के किसी भी कदम से असंतुष्ट होने की सूरत में न्यायालय ने पूर्व सैनिक संगठन को आवेदन दाखिल करने की छूट दी। केंद्र की ओर से पेश हुए अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए) द्वारा सारणीकरण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और तालिकाओं को अंतिम मंजूरी के लिए रक्षा मंत्रालय को भेज दिया गया है। वेंकटरमणी ने कहा कि 15 मार्च तक सशस्त्र बलों के 25 लाख पेंशनभोगियों के खातों में पैसे आना शुरू हो जाएंगे। केंद्र ने सशस्त्र बलों के सभी पात्र पेंशनभोगियों को 'वन रैंक-वन पेंशन योजना के तहत बकाए के भुगतान के लिए 15 मार्च 2023 तक समय बढ़ाने का अनुरोध करते हुए पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट ने दूसरी बार भुगतान करने के लिए केंद्र को समय दिया है।

धर्मांतरण को सुप्रीम कोर्ट ने बताया गंभीर मुद्दा, कहा- इसे नहीं दिया जाना चाहिए राजनीतिक रंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। धर्मांतरण को लेकर आज एक बार फिर से सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा है कि धर्मांतरण एक गंभीर मुद्दा है और इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। दरअसल, देश भर में जबरन धर्म परिवर्तन फिलहाल बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। कुछ राज्यों में इसके खिलाफ कानून जरूर बने हैं। लेकिन यह लगातार कई राज्यों में फैल चुका है। इसीलिए जबरन धर्मांतरण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से एक सख्त कानून बनाने की मांग की गई है। इसी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज फिर से सुनवाई हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने आज भी जबरन और धोखे से कराए जा रहे धर्मांतरण पर चिंता जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि देश भर में हो रहे ऐसे मामलों से हम चिंतित हैं और इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए।

इसके साथ ही कोर्ट ने छलपूर्ण धर्मांतरण को रोकने के लिए केंद्र और राज्यों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश देने का आग्रह करने वाली याचिका पर अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी की मदद मांगी। न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति सी टी रविकुमार की पीठ ने वेंकटरमणी से उस मामले में पेश होने के लिए कहा, जिसमें याचिकाकर्ता ने भय, धमकी, उपहार और मौद्रिक लाभ के जरिए धोखाधड़ी के माध्यम से कराए जाने वाले धर्मांतरण पर रोक लगाने का आग्रह किया है। इससे पहले 5 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई हुई थी। उस समय भी सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा था कि धर्म चुनने का अधिकार सभी को है लेकिन धर्मांतरण करवाना बिल्कुल भी ठीक नहीं है। सुनवाई की शुरुआत में, तमिलनाडु की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पी विल्सन ने याचिका को राजनीतिक रूप से प्रेरित जनहित याचिका कहा। उन्होंने कहा कि राज्य में इस तरह के धर्मांतरण का कोई सवाल ही नहीं है।

हालांकि, पीठ ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि आपके इस तरह उत्तेजित होने के अलग कारण हो सकते हैं। अदालती कार्यवाही को अन्य चीजों में मत बदलिए।... हम पूरे राज्य के लिए चिंतित हैं। यदि यह आपके राज्य में हो रहा है, तो यह बुरा है। यदि नहीं हो रहा, तो अच्छा है। इसे एक राज्य को लक्षित करने के रूप में न देखें। इसे राजनीतिक मुद्दा न बनाएं। अदालत अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें छलपूर्ण धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए केंद्र और राज्यों को कड़े कदम उठाने का निर्देश देने का आग्रह किया गया है। शीर्ष अदालत ने हाल ही में कहा था कि जबरन धर्मांतरण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है और नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है। इसने केंद्र से बेहद गंभीर मुद्दे से निपटने के लिए गंभीर प्रयास करने को कहा था। अदालत ने चेतावनी दी थी कि अगर धोखे, प्रलोभन और भय-धमकी के जरिए कराए जाने वाले धर्मांतरण को नहीं रोका गया तो ''बहुत मुश्किल स्थिति'' पैदा हो जाएगी।

यूएस में बनीं पहली बार भारतीय मूल की सिख महिला न्यायाधीश

ह्यूस्टन। यूएस में पहली बार भारतीय मूल की एक सिख महिला न्यायाधीश बनी हैं। मीडिया के अनुसार भारतीय मूल की मनप्रीत मोनिका सिंह ने हैरिस काउंटी में न्यायाधीश के रूप में शपथ ली है और वह न्यायाधीश बनने वाली अमेरिका में पहली सिख महिला हैं। मनप्रीत मोनिका सिंह का जन्म और पालन-पोषण अमेरिका के टेक्सास प्रांत के ह्यूस्टन में हुआ था और अब वह अपने पति और दो बच्चों के साथ बेलेयर में रहती हैं। उन्होंने शुक्रवार को टेक्सास में लॉ नंबर-4 में हैरिस काउंटी सिविल कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। मोनिका सिंह के पिता 1970 के दशक की शुरुआत में अमेरिका चले गए थे।

चौंकाने वाली खबर : चीनी युवा कोरोना संक्रमित होकर शरीर में बनाना चाहते एंटीबॉडीज!

बीजिंग। चीन से मीडिया रिपोर्ट में कोरोना के कहर के बीच एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है कि चीनी युवा कोरोना संक्रमित होकर शरीर में एंटीबॉडीज बनाना चाहते हैं देश में रह रहे युवा खुद को कोरोना से संक्रमित कर रहें हैं वहां रह रहे बुजुर्गों में वायरस का खतरा ज्यादा है जबकि युवाओं की इम्युनिटी इससे लड़ने में सक्षम है। चीन की विवादास्पद जीरो कोविड पॉलिसी में ढील के बाद से कोरोना के मामले तेजी से बढ़े हैं अब तो चीन में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए सीमाएं भी खोल दी गई हैं जिससे युवा खुश हैं और खुद को बिमारी से लड़ने के लिए तैयार कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीनी युवाओं का मानना है कि कोरोना से संक्रमित होने से शरीर में एंटीबॉडीज बनेंगी जो इस वायरस से लड़ने के लिए जरूरी है। वे खुद को इस उम्मीद से कोरोना वायरस से संक्रमित कर रहे हैं ताकि उनमें कोरोना प्रतिरोधक क्षमता आ जाए। वहीं देश के लोग जीरो कोविड पॉलिसी के विरोध में थे क्योंकि यह अधिक प्रतिबंध लगाता था जिस वजह से लोगों की कोरोना प्रतिरोधक क्षमता एकदम कमजोर बन गई थी।

चीनी अपनी खुशियों की खातिर कोरोना का खतरा मोल लेने को तैयार

चीन में कोविड लहर के बीच लोगों की आजादी उन्हें वापस मिल रही है इसलिए देश के युवा खुश हैं और वे अपनी खुशियों की खातिर कोरोना का खतरा मोल लेने को तैयार हैं। रिपोर्ट के अनुसार कई ऐसे हैं जिन्होंने चायनीज कोरोना वैक्सीन नहीं ली है उसके बावजूद भी वे अपनी जिंदगी जीने के लिए छुट्टियों पर यात्रा करने के लिए तैयार हैं। बीजिंग के व्यक्ति ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि दो साल तक चीनी सरकार ने सही काम किया लेकिन इसके बाद जीरो कोविड पॉलिसी को खत्म कर देना चाहिए था।

घरेलू सहायिक को प्रताड़ित करने के आरोप में भारतीय मूल की महिला को 14 साल की सजा

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल की एक महिला को14 साल की सजा सुनाई गई। महिला पर अपनी बेटी के साथ घरेलू सहायिक को प्रताड़ित करने का आरोप था। इसके बाद में सहायिका की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार 64 वर्षीय प्रेमा एस. नारायणसामी ने सजा पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वहीं प्रधान जिला न्यायाधीश तोह हान ली ने कहा मृतक अब अपनी पीड़ा के बारे में बात करने के लिए हमारे साथ नहीं है लेकिन सीसीटीवी के फुटेज में दुर्व्यवहार की चौंकाने वाली तस्वीर दिखाई गई है। 14 महीने की यातना के बाद म्यांमार की 24 वर्षीय पियांग नगैह डॉन की 26 जुलाई 2016 को मौत हो गई। अदालत को बताया गया कि कई बार नारायणसामी ने अपनी बेटी गायथिरी मुरुगयान के साथ सहायिका से मारपीट की। उप लोक अभियोजक सेंथिलकुमारन सबपथी ने अदालत को बताया कि यह सिंगापुर के सबसे खराब दुर्व्यवहार के मामलों में से एक था। मृतका को घसीट कर घर के चारों ओर एक गुड़िया की तरह फेंक दिया गया था हम में से कई निर्जीव वस्तुओं के साथ भी इस तरह का व्यवहार नहीं करते हैं। उसका जीवन एक जीवित दु:स्वप्न से कम नहीं था। पिछले साल नवंबर में नारायणसामी को सहायिक को चोट पहुंचाने के 47 आरोपों में दोषी ठहराया गया। उनकी 41 वर्षीय बेटी मुरुगयन को 22 जून 2021 को 30 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। नारायणसामी को कपड़े टांगने के लिए इस्तेमाल होने वाले बांस के खंभे से घरेलू सहायिका को पीटते हुए देखा गया था। महिला ने पियांग को बालों से पकड़ लिया था। उस जमीन पर घसीटते हुए ले गई थी। अपने जीवन के अंतिम 12 दिनों में वह रात में खिड़की की ग्रिल से बंधी हुई थी जबकि वह उसी कमरे में फर्श पर सोती थी जिसमें प्रेमा बिस्तर पर सोती थी। शव परीक्षण में पाया गया कि नौकरानी की मस्तिष्क की चोट से मृत्यु हो गई।

चीन ने ताइवान के समुद्री क्षेत्र के पास शुरू किया युद्धाभ्यास 24 घंटों में भेजे 57 लड़ाकू विमान

बीजिंग। पिछले 3 सालों से ताइवान क्षेत्र में लगातार घुसपैठ कर रहे चीन की हरकतें फिर तेज हो गई हैं। ताइवान के पास चीन का युद्धाभ्यास होने की खबर फिर से आने लगी हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसने 57 चीनी विमानों का पता लगाया है। वहीं चीन की सेना ने कहा कि उसने रविवार को ताइवान के आसपास युद्धाभ्यास किया था। बता दें कि यह एक महीने से भी कम समय में चीन द्वारा किया गया इस तरह का दूसरा युद्धाभ्यास है। चीन लोकतांत्रिक रूप से शासित ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और उन दावों पर जोर देने के लिए सैन्य राजनीतिक और आर्थिक दबाव बढ़ा रहा है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के ईस्टर्न थिएटर कमांड ने रविवार देर रात एक बयान में कहा कि उसके बलों ने ताइवान के आसपास युद्धाभ्यास का आयोजन किया था। यह अभ्यास चीनी सेना को भूमि पर हमला करने और समुद्री हमलों के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से किया जा रहा था। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि पिछले 24 घंटों में उसने 57 चीनी विमानों और द्वीप के चारों ओर चार नौसैनिक जहाजों का पता लगाया था उसमें से 28 विमानों ने ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में उड़ान भरी थी। कुछ ने ताइवान स्ट्रेट मध्य रेखा को पार किया। मंत्रालय ने बताया कि एसयू-30 और जे-16 लड़ाकू विमान क्षेत्र में गश्त कर रहे थे वहीं पिछले महीने 43 चीनी विमानों ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार किया था। चीन हमेशा से चाहता है कि ताइवान मामले पर कोई दखल न दे इसीलिए जब अमेरिकी स्पीकर नैंसी पेलोसी ने ताइवान का समर्थन किया और देश की यात्रा पर आई तो चीन आग बबूला हो गया था। जिसके बाद से ही अगस्त में चीन के ड्रोन लड़ाकू जहाज ताइवान के पास मंडराने लगे।

रूस के मिसाइल अटैक में यूक्रेन के 600 से अधिक सैनिकों की मौत

मॉस्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि डोनबास में यूक्रेन के कब्जे वाले क्रामाटोरस्क शहर में एक रूसी मिसाइल हमले में कीव के 600 से अधिक सैनिक मारे गए हैं। रविवार को बमबारी एक जवाबी कार्रवाई थी जो नए साल की रात को डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक (डीपीआर) में मेकयेवका शहर में रूसी सैनिकों को ठहराने वाले एक अस्थाई आवास क्षेत्र पर यूक्रेन द्वारा आपराधिक हमले के जवाब में की गई थी। पिछले 24 घंटों में रूसी सेना ने डीपीआर में क्रामटोरस्क में यूक्रेनी सैनिकों के स्थान को उजागर करने और पुष्टि करने में कामयाबी हासिल की है। इस डेटा से पता चला कि शहर में छात्रावास संख्या 28 में 700 से अधिक कीव सैनिकों की मेजबानी की गई थी जिसमें 600 से अधिक छात्रावास संख्या 47 में रहते थे। मंत्रालय ने कहा यूक्रेनी सेना की इकाइयों के इन अस्थाई आवास क्षेत्रों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल हमले के परिणामस्वरूप 600 से अधिक यूक्रेनी सैनिक मारे गए। 1 जनवरी को ठीक 0:01 पूर्वाह्न पर यूक्रेनी सेना ने मेकयेवका शहर में रूसी सैनिकों वाले एक अस्थाई आवास क्षेत्र को निशाना बनाया। अमेरिका द्वारा आपूर्ति किए गए मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर से छह मिसाइलों को इमारत में दागा गया। उनमें से दो को रूसी वायु रक्षा द्वारा रोक दिया गया था लेकिन 4 ने इसे पार कर लिया जिससे सुविधा को भारी नुकसान हुआ।

चीन में कोरोना संक्रमण के दौरान जरुरी किये क़ारंटाइन नियमों को हटाने के बाद बीजिंग हवाई अड्डे पर उतरी एक महिला को गुलदस्ता भेंट करते हुए एक व्यक्ति।

2024 के ब्रिटेन आम चुनाव का पूर्वानुमान : पीएम सुनक व उनके 15 मंत्रियों को चुनाव हारने का जोखिम

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनके 15 कैबिनेट मंत्रियों को 2024 में होने वाले आम चुनाव में हार का जोखिम है। एक चुनाव पूर्वानुमान का हवाला देते हुये मीडिया में इसकी जानकारी सामने आई है। मीडिया में आई पूर्वानुमान के आंकड़ों के अनुसार 2024 में होने वाले आम चुनाव में प्रधानमंत्री सुनक उपप्रधानमंत्री डोमिनिक राब और स्वास्थ्य मंत्री स्टीव बार्कले सहित कई वरिष्ठ मंत्रियों पर हार का खतरा मंडरा रहा है। चुनावी पूर्वानुमान के अनुसार विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली रक्षा मंत्री बेन वालेस व्यापार मंत्री ग्रांट शेप्स पर्यावरण मंत्री थेरेस कॉफी एवं कॉमंस के नेता पेन्नी मोर्डाट आगामी आम चुनाव हार सकते हैं। आंकड़ों के अनुसार केवल पांच कैबिनेट मंत्री जेरेमी हंट भारतीय मूल की सुएला ब्रेवरमैन माइकल गोव नदीम जहावी और केमी बदेनोच ही ऐसे हैं जिन्हें 2024 के आम चुनाव में जीत हासिल हो सकती है। इस पूर्वानुमान में लेबर पार्टी को बढ़त मिलती दिख रही है।

भारतीय दवाओं पर आंख मूंदकर भरोसा कर रहे हैं चीनी?

-नकली ड्रग बनाकर तस्कर उठा रहे हैं फायदा

-कोरोना ने चीन में बरपाया कहर ड्रैगन की तोड़ी कमर!

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में कोरोना ने कहर बरपाया है। कोरोना ने ड्रैगन की कमर तोड़ दी है। चीनी भारतीय दवाइयों पर आंख मूंदकर भरोसा कर रहे हैं? चीन में नकली ड्रग की भी भरमार है जिसका फायदा तस्कर उठा रहे है। चीन में रिकॉर्ड स्तर पर कोरोना संक्रमण फैल चुका है। इस बीच चीनी काला बाजार में भारतीय जेनेरिक दवाओं के नकली संस्करण बढ़ गए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि एंटीवायरल और पैक्स्लोविड दवाओं की मांग बढ़ी है। पैक्स्लोविड दवा सरकार द्वारा विनियमित है। चीन में 7 दिसंबर को जीरो कोविड पॉलिसी खत्म होने के बाद चीनी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भारतीय निर्मित जेनेरिक दवाओं की बिक्री बढ़ी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने अनुमान लगाया है कि नीति के अंत के बाद से 8 दिसंबर से चीन में 250 मिलियन कोविड-पॉजिटिव मामलों का पता चला है। ऐसे में ज्यादातर संक्रमितों में हल्के लक्षण हैं। टीकाकृत वरिष्ठ नागरिकों की मृत्यु हो गई है। इससे कोविड दवाओं के साथ-साथ भारतीय जेनेरिक दवाओं की मांग बढ़ गई है। विशेषज्ञों ने कहा कि जेनेरिक दवाओं के नकली संस्करण भी बाजार में आ गए हैं। कोविड-19 संक्रमणों की भारी लहर के बीच चीनी प्रयोगशालाएं सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक नए संभावित खतरे की चेतावनी दे रही हैं। चीनी आउटलेट सिक्स्थ टोन की रिपोर्ट है कि नकली एंटीवायरल दवाओं का व्यापार बढ़ रहा है।

चीन में नकली दवा की बिक्री में आया उछाल

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले 2 हफ्तों में नकली दवा की बिक्री में उछाल आया है पैक्स्लोविड दवा के बक्से अब काले बाजार में 50000 युआन (7200 डॉलर) में बिक रहे हैं। एक स्थिति यह भी है कि कई लोग चीन में सस्ती दवा की तलाश में हैं। यही कारण है कि भारतीय विनिर्माताओं द्वारा उत्पादित दवाओं के जेनेरिक संस्करणों की मांग बढ़ रही है। हालांकि प्रयोगशाला विश्लेषण से संकेत मिलता है कि चीन में चल रही भारतीय दवाओं का एक बड़ा हिस्सा नकली था। चीनी स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चिंता व्यक्त की है हालांकि दवाओं के नकली संस्करण नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। पैक्सलोविड को सरकारी क्लीनिकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। बिक्री अत्यधिक विनियमित होती है जिसमें डॉक्टर रोगियों की दवा की आवश्यकता का आकलन करते हैं।

चाइना में भारत की 4 दवाइयों की बिक्री शीर्ष पर

चीनी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर हाल के हफ्तों में कम से कम चार भारतीय-उत्पादित जेनेरिक कोविड दवाएं प्रिमोविर पैक्स्लिस्टा मोलनुनेट और मोलनाट्रिस की बिक्री शीर्ष पर है। चीनी जीनोमिक्स कंपनी बीजीआई के प्रमुख यिन ये ने कहा कि कोविड दवा प्रिमोविर के लिए 143 नमूनों की जांच की गई। चीन द्वारा 2019 में दवा के आयात पर प्रतिबंधों में ढील देने के बाद महामारी के दौरान सीमित परिवहन मार्गों के कारण व्यापार पर अंकुश लगा था। ऐसा कहा जाता है कि भारतीय कैंसर दवाओं सहित बड़ी संख्या में गैर-अनुमोदित नकली दवाओं की चीनी बाजार में बाढ़ आ गई है।

चीन के नये राजदूत ने नेपाल के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के नये राजदूत ने रविवार को काठमांडू में कहा कि वह नेपाल के साथ मिलकर काम करने को इच्छुक हैं ताकि दोनों देशों को नये युग के लिए एक साथ लाया जा सके और उनका संयुक्त रूप से विकास हो सके। चीन के वरिष्ठ राजनयिकों में से एक राजदूत चेन सोंग ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी में नया अध्याय लिखने का भी संकल्प लिया। चेन को नवंबर में नेपाल का राजदूत नियुक्त किया गया था। हालांकि, चेन की पत्नी को कोविड बीमारी से पीड़ित हो जाने के कारण वह अपना पदभार संभालने देर से पहुंचे हैं।

उन्होंने होउयांची की जगह ली है, जो अक्टूबर में अपना चार साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद चीन लौट गए थे। 'द काठमांडू पोस्ट' की खबर के अनुसार, ''मैं हर तबके के नेपाली दोस्तों के साथ मिलकर काम करने को तैयार हूं... चीन-नेपाल रणनीतिक साझेदारी में संयुक्त रूप से नया अध्याय लिखेंगे जिससे विकास और समृद्धि पर आधारित दीर्घकालिक मित्रता बढ़ेगी।'' त्रिभुवन हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में चेन ने कहा कि चीन राष्ट्रीय सम्प्रभुता व सम्मान की रक्षा करने में हमेशा नेपाल के साथ रहेगा।

अमेरिका फांस इटली ब्रिटेन और कनाडा की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए पीएम किशिदा

टोक्यो (एजेंसी)। (ईएमएस)। जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा यूरोप और ब्रिटेन के साथ सैन्य संबंधों को मजबूत करने और वाशिंगटन में शिखर सम्मेलन में जापान-अमेरिका गठबंधन के महत्व को रेखांकित करने के लिए सोमवार से एक सप्ताह लंबी यात्रा शुरू कर रहे हैं। पीएम किशिदा की यह यात्रा उस समय हो रही है जब (विश्व) युद्ध के बाद अपनाए गए संयम से इतर चीन की बढ़ती आक्रामकता के मद्देनजर जापान ज्यादा सक्रिय हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ शुक्रवार को किशिदा की बातचीत में उनके पांच देशों के दौरे पर भी जानकारी साझा की जाएगी।

किशिदा इस दौरे के दौरान फ्रांस इटली ब्रिटेन और कनाडा भी जाएंगे। यह देश उन सात देशों के समूह में हैं जिनके साथ जापान ने रक्षा संबंधों को आगे बढ़ाया है। उनके इस विदेश दौरे का पहला पड़ाव पेरिस है। किशिदा ने कहा कि बाइडन के साथ उनकी शिखर वार्ता जापान-अमेरिका गठबंधन की ताकत को रेखांकित करेगी और यह भी निर्धारित करेगी कि कैसे दोनों देश जापान की नई सुरक्षा और रक्षा रणनीतियों के तहत अधिक निकटता से काम कर सकते हैं। जापान ने दिसंबर में प्रमुख सुरक्षा और रक्षा सुधारों को अपनाया जिसमें जवाबी हमले की क्षमता हासिल करना भी शामिल है। जापान का कहना है कि चीन और उत्तर कोरिया में तेजी से बढ़ते हथियारों से बचाव के लिए मिसाइल इंटरसेप्टर की मौजूदा तैनाती अपर्याप्त है।

भीषण गर्मी और सूखा झेलना पड़ेगा बड़ी जनसंख्या को

-भविष्य के अनुमान बहुत ही चिंताजनक

लंदन (एजेंसी)। वैज्ञानिकों द्वारा जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए गंभीर और ठोस कदम तुरंत ही उठाए जाने की पैरवी की जा रही है। भविष्य के जो अनुमान लगाए जा रहे है वे एक बहुत ही चिंताजनक तस्वीर पेश कर रहे हैं। नए अध्ययन में जलवायु परिवर्तन का दुनिया के लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर भी ऐसा ही कुछ कहा गया है।

इसके मुताबिक चरम गर्मी और सूखे के बढ़ते जोखिमों को दुनिया की 90 फीसद से ज्यादा जनसंख्या को झेलना पड़ेगा। इस अध्ययन में कहा गया है कि बढ़ती गर्मी और सूखे के कारण सामाजिक असमानता बढ़ती जाएगी तो इसके साथ ही वायुमंडल में सीओ2 उत्सर्जन को कम करने की प्राकृतिक क्षमता भी कम होती जाएगी। ग्लोबल वार्मिंग इस तरह के नुकसानों को वैश्विक स्तर पर 10 गुना ज्यादा बढ़ा देगी।यह रिपोर्ट नेचर सस्टेनेबलिटी में प्रकाशित हुआ है। इसमें बताय गया है कि साल 2022 में लंदन से लेकर शंघाई तक जिस तरह से बढ़ते तापमान ने रिकॉर्ड स्तरों को छुआ है यह सिलसिला आगे भी जारी रहने की उम्मीद की जा रही है।

जब इन सभी का मिला कर विश्लेषण किया गया तो वैज्ञानिकों को बहुत ही अलग और चिंताजनक तस्वीर दिखाई दी ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर लाउसे स्लेटर और वुहान यूनिवर्सिटी से विजिटिंग प्रोफेसर डॉ जियाबो यिन के शोधपत्र के मुताबिक इस विश्लेषण में साफ पाया गया कि चरम गर्मी और सूखे का एक साथ जैसा असर होगा और जैसे खतरे होंगे वे समाज और पारिस्थिकी तंत्रों पर अलग-अलग वैसा प्रभाव नहीं डाल पाएंगे।इन दोनों का मिला जुला असर सामाजिक आर्थिक और पारिस्थितिकी तौर पर ज्यादा गंभीर देखने को मिलेगा जिससे समाजिक असमानता की समस्या गहरी हो सकती है क्योंकि इनका गरीबों और ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा बुरा असर देखने को मिलेगा।

रिसर्च के मुताबिक इस चक्रवर्ती रूप से बढ़ने वाले नुकसान वैश्विक स्तर पर 10 गुना ज्यादा तीव्र हो जाएंगे।भीषण गर्मी और सूखे की वजह से धरती पर पानी भंडारण की क्षमता कम हो जाएगी और इन जोखिमों का सामना दुनिया की 90 फीसद से ज्यादा आबादी को झेलना होगा। इतना ही नहीं इसका भविष्य में चक्रवर्ती रूप में इजाफा भी देखने को मिलेगा भले ही दुनिया भर में ग्रीन हाउस उत्सर्जन सबसे कम ही क्यों ना हो जाए।

यिन का कहना है कि बड़े प्रतिमान (मॉडल) के सिम्यूलेशन और एक नए मशीन लर्निंग के द्वारा निकाले गए कार्बन बजट डेटासेट का उपयोग कर उनकी टीम ने वैश्विक स्तर पर गर्मी और पानी पर दबाव डालने वाले कारकों के पारिस्थितिकी उत्पादकों की प्रतिक्रिया की मात्रा को निर्धारित करना काम किया जिससे इस खतरे और उसके प्रभाव की भीषणता के बारे में जानकारी मिल सकी। यिन ने बताया कि इससे त्वरित होते खतरे प्राकृतिक संसार और अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं दोनों पर विनाशकारी असर हो रहा है।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो के समर्थकों ने मचाया उत्पात

- राजधानी में सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति भवन व अन्य जगहों पर बोला धावा

- पुलिस ने दागे आंसू गैस गोले

ब्राजील (एजेंसी)। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो के हजारों समर्थकों ने गत दिवस रविवार को जमकर उत्पात मचाया। प्रदर्शनकारियों ने राजधानी में सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति भवन और अन्य स्थानों पर धावा बोला। राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा के कार्यभार संभालने के एक सप्ताह बाद बोल्सोनारो के समर्थकों ने यह हरकत की। बोलसोनारो ने उनके खिलाफ आए चुनावी नतीजों को मानने से इनकार दिया था तभी से उनके समर्थक प्रदर्शन कर रहे हैं। हजारों प्रदर्शनकारियों ने अवरोधक को पार कर सुरक्षा घेरा तोड़कर छतों पर चढ़ गए खिड़कियां तोड़ दीं और तीन इमारतों पर धावा बोला। इनमें से कई चुनाव परिणाम स्वीकार करने से इनकार करते हुए सशस्त्र बलों से इसमें हस्तक्षेप करने और बोलसोनारो को दोबारा राष्ट्रपति बनाए जाने की मांग कर रहे हैं। साओ पाउलो में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में लूला डा सिल्वा ने कहा कि बोलसोनारो ने उन लोगों को विद्रोह करने के लिए प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रपति डा सिल्वा ने प्रदर्शनकारियों को 'फासीवादी कट्टरपंथी करार

सिल्वा ने उन लोगों को 'फासीवादी कट्टरपंथी करार दिया। उन्होंने संघीय जिले में सुरक्षा का नियंत्रण अपने हाथ में लेने के लिए संघीय सरकार का एक आदेश भी सुनाया। लूला डा सिल्वा ने कहा कि पहले कभी ऐसा नहीं हुआ और इन लोगों को दंडित किए जाने की जरूरत है। पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो की कई बार सुप्रीम कोर्ट के साथ तनातनी हुई है और जिस कमरे में वे बैठक करते हैं वहां भी दंगाइयों ने तोड़फोड़ की। उन्होंने कांग्रेस भवन में आगजनी और राष्ट्रपति भवन में कार्यालयों में तोड़फोड़ की। सभी भवनों के शीशे भी टूटे नजर आए। लूला डा सिल्वा के कार्यभार संभालने से पहले ही फ्लोरिडा चले गए बोलसोनारो ने रविवार की घटनाओं पर अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। पुलिस ने इमारतों का नियंत्रण वापस लेने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। हमला करने के करीब चार घंटे से कम समय में स्थानीय समयानुसार शाम साढ़े छह बजे सुरक्षा बल प्रदर्शनकारियों को खदेड़ते नजर आए। हालांकि तब तक काफी नुकसान हो चुका था जिससे पुलिस की कार्रवाई व लापरवाहियों पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

डा सिल्वा के चुनाव को इनकार कर पूर्व में भी उतरे थे सड़कों पर

गौरतलब है कि लूला डा सिल्वा ने 30 अक्टूबर को हुए चुनाव में बोल्सोनारो को मात दी थी जिसके बाद उनके कई समर्थक देशभर में सड़कों पर उतर आए थे और चुनाव परिणाम स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। ऐसी ही घटना अमेरिका में भी देखने को मिली थी जब डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार नहीं की थी और उन्होंने चुनाव में धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। ट्रंप के इन आरोपों के बीच उनके कथित समर्थकों ने छह जनवरी को संसद भवन परिसर में हिंसा की थी।

ब्राजील की हालात पर भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने जताई चिंता

पीएम मोदी ने कहा- लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करना चाहिए। ब्राजील की सड़कों पर जमकर हो रहे उत्पात पर दंगे जैसे हालात पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिंता जताई है। पीएम मोदी ने कहा कि लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करना चाहिए। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि ब्रासीलिया में सरकारी संस्थानों के खिलाफ दंगे और तोड़-फोड़ की खबरों से बेहद चिंतित हूं।

लोकतांत्रिक परंपराओं का सभी को सम्मान करना चाहिए। हम ब्राजील के अधिकारियों को अपना पूरा समर्थन देते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी हमले की निंदा

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी ब्राजील के राष्ट्रपति भवन संसद भवन और सुप्रीम कोर्ट पर हुए हमले की निंदा की है। राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा कि मैं ब्राजील में लोकतंत्र पर हमले की निंदा करता हूं। ब्राजील की लोकतांत्रिक संस्थाओं को हमारा पूरा समर्थन है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थानों पर हमला करने के लिए हिंसा का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

संपादकीय

आरक्षण का आधार सिर्फ गरीबी हो

(डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

भोपाल में कर्णी सेना ने एक अपूर्व प्रदर्शन आयोजित किया और मांग की कि सरकारी नौकरियों चुनावों और शिक्षण संस्थाओं में जहां भी आरक्षण की व्यवस्था है वहाँ सिर्फ गरीबी के आधार पर आरक्षण दिया जाए। यह कर्णी सेना राजपूतों का संगठन है। इसने जातीय आरक्षण के विरुद्ध सीधी आवाज नहीं उठाई है क्योंकि यह खुद ही जातीय संगठन है लेकिन इस समय देश में जहाँ भी आरक्षण दिया जा रहा है वह प्रायः जातीय आधार पर ही दिया जा रहा है। यदि सिर्फ गरीबी के आधार पर आरक्षण की व्यवस्था बन जाए तो जाति भेदभाव के बिना भी देश के सभी कमजोर लोगों को आरक्षण मिल सकता है। यह मांग तो भारत के कम्युनिस्टों को सबसे ज्यादा करनी चाहिए क्योंकि कार्ल मार्क्स ने 'कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो' में सबसे ज्यादा हिमायत इसी गरीब वर्ग की है। उन्होंने इसे सर्वहारा (प्रोलेटेरिएट) कहा है। कम्युनिस्टों की क्या कहें देश की सभी पार्टियां थोक वोटों की गुलाम हैं। थोक वोटों का सबसे बड़ा श्रोत जातियाँ ही हैं। इसीलिए देश के किसी नेता या पार्टी में इतना दम नहीं है कि वह जातीय आरक्षण का विरोध करे। बल्कि कई अन्य जातियों के नेता आजकल अपने लिए आरक्षण के आंदोलन चला रहे हैं। यदि कर्णी सेना के राजपूत लोग अपने आंदोलन में सभी जातियों को जोड़ लें (अनुसूचित जातियों को भी) तो वह सचमुच महान राष्ट्रीय आंदोलन बन सकता है। अनेक अनुसूचित लोग जो स्वाभिमानी हैं और दूसरों की दया पर निर्भर रहना गलत मानते हैं वे भी कर्णी सेना के साथ आ जाएंगे। कर्णी सेना की यह मांग भी सही है कि किसी भी परिवार की सिर्फ एक पीढ़ी को आरक्षण दिया जाए ताकि अगली पीढ़ियाँ आत्म-निर्भर हो जाएं। कर्णी सेना की यह मांग भी उचित प्रतीत होती है कि उस कानून को वापिस लिया जाए जिसके मुताबिक किसी भी अनुसूचित व्यक्ति की शिकायत के आधार पर किसी को भी जाँच किए बिना ही गिरफ्तार कर लिया जाता है। इसमें शक नहीं है कि देश के अनुसूचितों ने सदियों से बहुत जुल्म सहे हैं और उनके प्रति न्याय होना बेहद जरूरी है लेकिन हम भारत में ऐसा समाज बनाने की भूल न करें जो जातीय आधार पर हजारों टुकड़ों में बंटता चला जाए। भारत और पड़ौसी देशों के तथाकथित अनुसूचित और पिछड़े लोगों को आगे बढ़ाने का उपाय जातीय आरक्षण नहीं है। उन्हें और तथाकथित ऊँची जातियों के लोगों को भी जन्म के आधार पर नहीं जरूरत के आधार पर आरक्षण दिया जाए। यदि हम आरक्षण का आधार ठीक कर लें तो देश में समता और संपन्नता का भवन तो अपने आप ही खड़ा हो जाएगा।

भूकम्प के झटकों से कांपता दिल्ली-एनसीआर

नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक वर्ष 2020 में दिल्ली एनसीआर और आसपास के इलाकों में कुल 51 बार भूकम्प के झटके महसूस किए गए जिनमें से कई रिक्टर स्केल पर तीन या उससे अधिक तीव्रता के थे। 2020 के बाद से भी दिल्ली-एनसीआर इलाका लगातार भूकम्प से झटकों से थर्रा रहा है। हालांकि राहत की बात यही है कि बार-बार लग रहे भूकम्प के झटकों से अब तक जान-माल का कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है लेकिन दिल्ली एनसीआर सहित उत्तर भारत में कई हल्के और मध्यम भूकम्प के झटके हिमालय क्षेत्र में किसी बड़े भूकम्प की आशंका को बढ़ा रहे हैं।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

राजधानी दिल्ली में पिछले कुछ समय से बार-बार भूकम्प के झटके महसूस किए जा रहे हैं। 5 जनवरी की रात को तो दिल्ली-एनसीआर से लेकर जम्मू-कश्मीर तक में 5.9 तीव्रता के भूकम्प के झटके महसूस किए गए। भूकम्प का केन्द्र अफगानिस्तान के फैजाबाद से 79 किलोमीटर दूर हिंदू कुश इलाका था। इससे करीब पांच ही दिन पहले दिल्ली एनसीआर के लोगों के नए साल की शुरूआत भी भूकम्प के झटकों के साथ ही हुई थी। दरअसल एक जनवरी की सुबह भी दिल्ली-एनसीआर में 3.8 तीव्रता के भूकम्प के झटके महसूस हुए थे। नवम्बर माह में तो दिल्ली एनसीआर में दो बार ऐसे बड़े भूकम्प भी आए जिनमें से एक अति गंभीर श्रेणी का रिक्टर स्केल पर 6.3 तीव्रता का था जिसका असर उत्तर प्रदेश उत्तराखंड सहित सात राज्यों के अलावा चीन और नेपाल तक महसूस किया गया था। नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक वर्ष 2020 में दिल्ली एनसीआर और आसपास के इलाकों में कुल 51 बार भूकम्प के झटके महसूस किए गए जिनमें से कई रिक्टर स्केल पर तीन या उससे अधिक तीव्रता के थे। 2020 के बाद से भी दिल्ली-एनसीआर इलाका लगातार भूकम्प से झटकों से थर्रा रहा है। हालांकि राहत की बात यही है कि बार-बार लग रहे भूकम्प के झटकों से अब तक जान-माल का कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है लेकिन दिल्ली एनसीआर सहित उत्तर भारत में कई हल्के और मध्यम भूकम्प के झटके हिमालय क्षेत्र में किसी बड़े भूकम्प की आशंका को बढ़ा रहे हैं। दरअसल भूगर्भ वैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसे कई छोटे भूकम्प बड़ी तबाही का संकेत होते हैं और बार-बार लग रहे भूकम्प के झटकों के मद्देनजर दिल्ली-एनसीआर इलाके में आने वाले दिनों में किसी बड़े भूकम्प का अनुमान लगाया जा रहा है। पिछले कुछ दशकों में दिल्ली-एनसीआर की आबादी काफी बढ़ी है और ऐसे में 6 से अधिक तीव्रता का भूकम्प यहां भारी तबाही मचा सकता है। एनसीएस के वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली को हिमालयी बेल्ट से काफी खतरा है जहां 8 की तीव्रता वाले भूकम्प आने की भी क्षमता है। दिल्ली से करीब दो सौ किलोमीटर दूर हिमालय क्षेत्र में अगर 7 या इससे अधिक तीव्रता का भूकम्प आता है तो दिल्ली के लिए बड़ा खतरा है। हालांकि ऐसा भीषण भूकम्प कब आएगा इस बारे में वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका कोई सटीक अनुमान लगाना संभव नहीं है। दरअसल भूकम्प के पूर्वानुमान का न तो कोई उपकरण है और न ही कोई मैकेनिज्म। दिल्ली में बड़े भूकम्प के खतरे को देखते हुए भारतीय मौसम विभाग के भूकम्प रिस्क असेसमेंट सेंटर द्वारा कुछ समय पहले दिल्ली-एनसीआर में इमारतों के मानक में शीघ्रातिशीघ्र बदलाव किए जाने का परामर्श दिया गया था। राष्ट्रीय भू-भौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) के वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में आ रहे भूकम्पों को लेकर अध्ययन चल रहा है। उनका कहना है कि इसके कारणों में भू-जल का गिरता स्तर भी एक प्रमुख वजह सामने आ रही है इसके अलावा अन्य कारण भी तलाशे जा रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या दिल्ली की ऊंची-ऊंची आलीशान इमारतें और अपार्टमेंट किसी बड़े भूकम्प को झेलने की स्थिति में हैं? विशेषज्ञों के अनुसार दिल्ली में बार-बार आ रहे भूकम्प के झटकों से पता चलता है कि दिल्ली-एनसीआर के फॉल्ट इस समय सक्रिय हैं और इन फॉल्ट में बड़े भूकम्प की तीव्रता 6.5 तक रह सकती है। इसीलिए विशेषज्ञ कह रहे हैं कि बार-बार लग रहे भूकम्प इन झटकों को बड़े खतरे की आहट मानते हुए दिल्ली को नुकसान से बचने की तैयारियां कर लेनी चाहिएं। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में निरन्तर लग रहे झटकों को देखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट भी कई बार कड़ा रूख अपना चुका है। हाईकोर्ट ने कुछ समय पहले भी दिल्ली सरकार डीडीए एमसीडी दिल्ली छावनी परिषद नई दिल्ली नगरपालिका परिषद को नोटिस जारी करते हुए पूछा था कि तेज भूकम्प आने पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं? अदालत द्वारा चिंता जताते हुए कहा गया था कि सरकार और अन्य निकाय हमेशा की भांति भूकम्प के झटकों को हल्के में ले रहे हैं जबकि उन्हें इस दिशा में गंभीरता दिखाने की जरूरत है। अदालत का कहना था कि भूकम्प जैसी विपदा से निपटने के लिए ठोस योजना बनाने की जरूरत है क्योंकि भूकम्प से लाखों लोगों की जान जा सकती है। दिल्ली सरकार तथा एमसीडी द्वारा दाखिल किए गए जवाब पर सख्त टिप्पणी करते हुए अदालत यहां तक कह चुकी है कि भूकम्प से शहर को सुरक्षित रखने को लेकर उठाए गए कदम या प्रस्ताव केवल कागजी शेर हैं और ऐसा नहीं दिख रहा कि एजेंसियों ने भूकम्प के संबंध में अदालत द्वारा पूर्व में दिए गए आदेश का अनुपालन किया हो। दिल्ली-एनसीआर भूकम्प के लिहाज से काफी संवेदनशील है जो दूसरे नंबर के सबसे खतरनाक सिस्मिक जोन-4 में आता है। इसीलिए अदालत को कहना पड़ा था कि केवल कागजी कार्रवाई से काम नहीं चलेगा बल्कि सरकार द्वारा जमीनी स्तर पर ठोस काम करने की जरूरत है। दरअसल वास्तविकता यही है कि पिछले कई वर्षों में भूकम्प से निपटने की तैयारियों के नाम पर केवल खानापूर्ति ही हुई है। दिल्ली-एनसीआर में पिछले कुछ महीनों में आए भूकम्प के झटके भले ही रिक्टर पैमाने पर कम तीव्रता वाले रहे हों किन्तु भूकम्प पर शोध करने वाले इन झटकों को बड़े खतरे की आहट मान रहे हैं। इसीलिए अधिकांश भूकम्प विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली एनसीआर की इमारतों को भूकम्प के लिए तैयार करना शुरू कर देना चाहिए ताकि बड़े भूकम्प के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके। एक अध्ययन के मुताबिक दिल्ली में करीब नब्बे फीसदी मकान क्रंकीट और सरिये से बने हैं जिनमें से 90 फीसदी इमारतें रिक्टर स्केल पर छह तीव्रता से तेज भूकम्प को झेलने में समर्थ नहीं हैं। एनसीएस के अध्ययन के अनुसार दिल्ली का करीब तीस फीसदी हिस्सा जोन-5 में आता है जो भूकम्प की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक रिपोर्ट में भी कहा गया है कि दिल्ली में बनी नई इमारतें 6 से 6.6 तीव्रता के भूकम्प को झेल सकती हैं जबकि पुरानी इमारतें 5 से 5.5 तीव्रता का भूकम्प ही सह सकती हैं। विशेषज्ञ बड़ा भूकम्प आने पर दिल्ली में जान-माल का ज्यादा नुकसान होने का अनुमान इसलिए भी लगा रहे हैं क्योंकि करीब 2.25 करोड़ आबादी वाली दिल्ली में प्रतिवर्ग किलोमीटर दस हजार लोग रहते हैं और कोई बड़ा भूकम्प 300-400 किलोमीटर की रेंज तक असर दिखाता है।

(लेखक 33 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

आज का राशीफल

विश्व पटल पर छा रही है हिंदी

(लेखिका- डॉ. वंदना सेन)

- अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस 10 जनवरी पर विशेष

हमारी संस्कृति के कई बिन्दु ऐसे हैं जिसे सुनकर या देखकर हम सभी को गौरव की अनुभूति होती है। उसमें से एक है हमारी हिन्दी भाषा। जो हमारे मूल से प्रस्फुटित है। सही मायनों में हिन्दी भारत का गौरव गान है। जिसे हम जितना आचरण में लाएंगे उतना ही हम सांस्कृतिक रूप से समृद्ध होते जाएंगे। यह सर्वकालिक सत्य है कि कोई भी देश अपनी भाषा में ही अपने मूल स्वत्व को प्रकट कर सकता है। निज भाषा देश की उन्नति का मूल होता है। निज भाषा को नकारना अपनी संस्कृति को विस्मरण करना है। जिसे अपनी भाषा पर गौरव का बोध नहीं होता वह निश्चित ही अपनी जड़ों से कट जाता है और जो जड़ों से कट गया उसका अंत हो जाता है। भारत का परिवेश निःसंदेह हिंदी से भी जुड़ा है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि हिंदी भारत का प्राण है हिंदी भारत का स्वाभिमान है हिंदी भारत का गौरवगान है। आज हम जाने अनजाने में जिस प्रकार से भाषा के साथ मजाक कर रहे हैं वह अभी हमें समझ में नहीं आ रहा होगा लेकिन भविष्य के लिए यह अत्यंत दुखदायी होने वाला है। वर्तमान में प्रायः देखा जा रहा है कि हिंदी की बोलचाल में अंग्रेजी और उर्दू शब्दों का समावेश बेखटके हो रहा है। इसे हम अपने स्वभाव का हिस्सा मान चुके हैं लेकिन हम विचार करें कि क्या यह हिंदी के शब्दों की हत्या नहीं है? हम विचार करें कि जब भारत में अंग्रेजी नहीं थी तब हमारा देश किस स्थिति में था। हम अत्यंत समृद्ध थे इतने समृद्ध कि विश्व के कई देश भारत की इस समृद्धि से जलन रखते थे। इसी कारण विश्व के कई देशों ने भारत की इस समृद्धि को नष्ट करने का तब तक षड्यंत्र किया जब तक वे सफल नहीं हो गए। हमें एक बात ध्यान रखना होगा कि हम अंग्रेजी को केवल एक भाषा के तौर पर स्वीकार करें। भारत के लिए अंग्रेजी केवल एक भाषा ही है। जब हम हिंदी को मातृभाषा का दर्जा देते हैं तो यह भाव हमारे स्वभाव में प्रकट होना चाहिये। हिंदी हमारा स्वत्व है। इसलिए कहा जा सकता है कि हिंदी हृदय की भाषा है। भाषाओं के मामले में भारत को विश्व का सबसे बड़ा देश निरूपित किया जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। भारत दक्षिण के राज्यों में अपनी एक भाषा है जिसे हम विविधता के रूप में प्रचारित करते हैं। कभी-कभी यह भी देखा जाता है कि राजनीतिक कारणों के प्रभाव में आकर दक्षिण भारत के कुछ लोग हिंदी का विरोध करते हैं। दक्षिण भारत के राज्यों में जो भाषा बोली जाती है उसका हिंदी भाषियों ने सदैव सम्मान किया है। भाषा और बोली तौर पर भारत की एक विशेषता यह भी है कि चाहे वह दक्षिण भारत का राज्य हो या फिर उत्तर भारत का हर प्रदेश का नागरिक अपने शब्दों के उच्चारण मात्र से यह प्रदर्शित कर देता है कि वह किस राज्य का है। प्रायः सुना भी होगा कि भाषा को सुनकर हम उसका राज्य या अंचल तक बता देते हैं। यह भारत की बेहतरीन खूबसूरती ही है। जहां तक राष्ट्रीयता का सवाल आता है तो हर देश की पहचान उसकी भाषा भी होती है। हिंदी हमारी राष्ट्रीय पहचान है। दक्षिण के राज्यों के नागरिकों की प्रादेशिक पहचान के रूप में उनकी अपनी भाषा हो सकती है लेकिन राष्ट्रीय पहचान की बात की जाए तो वह केवल हिंदी ही हो सकती है। हालांकि आज दक्षिण के राज्यों में हिंदी को जानने और बोलने की उत्सुकता बढ़ी है जो उनके राष्ट्रीय होने को प्रमाणित करता है। आज पूरा भारत राष्ट्रीय भाव की तरफ कदम बढ़ा रहा है। हिंदी के प्रति प्रेम प्रदर्शित हो रहा है। आज हमें इस बात पर भी मंथन करना चाहिए कि भारत में हिंदी दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। भारत में अंग्रेजी दिवस और उर्दू दिवस क्यों नहीं मनाया जाता। इसके पीछे यूं तो कई कारण हैं लेकिन वर्तमान का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि आज हम स्वयं ही हिंदी के शब्दों की हत्या करने पर उतारू हो गए हैं। ध्यान रखना होगा कि आज जिस प्रकार से हिंदी के शब्दों की हत्या हो रही है कल पूरी हिंदी भाषा की भी हत्या हो सकती है। हम विचार करें कि हिंदी भारत के स्वर्णिम अतीत का हिस्सा है। हिंदी हमारी संस्कृति का हिस्सा है। ऐसा हम अंग्रेजी के बारे में कदापि नहीं बोल सकते। आज हिंदी को पहले की भांति वैश्विक धरातल प्राप्त हो रहा है। विश्व के कई देशों में हिंदी के प्रति आकर्षण का आत्मीय भाव संचरित हुआ है। वे भारत के बारे में गहराई से अध्ययन करना चाह रहे हैं। विश्व के कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में हिंदी के पाठ्यक्रम संचालित किए जाने लगे हैं। विश्व के कई देशों के नागरिक हिंदी के प्रति अनुराग दिखा रहे हैं। इतना ही नहीं आज विश्व के कई देशों में हिंदी के संस्करण प्रकाशित हो रहे हैं। जो वैश्विक स्तर पर हिंदी की समृद्धि का प्रकाश फैला रहे हैं। भारत के साथ ही सूरीनाम फिजी त्रिनिदाद गुआना मॉरीशस थाईलैंड व सिंगापुर में भी हिंदी वहां की राजभाषा या सह राजभाषा के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुकी है। इतना ही नहीं आबूधाबी में भी हिंदी को तीसरी आधिकारिक भाषा की मान्यता मिल चुकी है। आज विश्व के लगभग 44 ऐसे देश हैं जहां हिंदी बोलने का प्रचलन बढ़ रहा है। सवाल यह है कि जब हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ रही है तब हम अंग्रेजी के पीछे क्यों भाग रहे हैं। हम अपने आपको भुलाने की दिशा में कदम क्यों बढ़ा रहे हैं।

-डॉ. वंदना सेन

(लेखिका पीजीवी महाविद्यालय जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर में हिंदी की सहायक प्राध्यापक हैं)

विचार मंथन

देव भूमि पर विकास के नाम पर विनाश?

(लेखक-सनत जैन)

विकास के नाम पर सारी दुनिया के देश विनाश की ओर बढ़ चले हैं। भारत भी इसमें पीछे नहीं है। वैश्विक व्यापार संधि के बाद भारत ने भी वैश्विक वित्तीय संस्थाओं से भारी कर्ज लिया। कर्ज लेकर राजनेताओं ने विकास के नाम पर खूब घी पी लिया। सारे भारत में विकास के नाम पर प्रकृति के साथ जिस तरह की छेड़छाड़ भारत में हुई है। वह दुनिया के अन्य देशों में नहीं हुई है। जिसके कारण भारत विकास के नाम पर अब विनाश के मुहाने पर खड़ा नजर आ रहा है। देवभूमि उत्तराखंड में सबसे ज्यादा विकास के नाम पर विनाश के लिए नीव खोदी गई है। जिसका असर अब बड़े पैमाने पर देखने को मिल रहा है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है कि देवभूमि में वही लोग विनाश का काम कर रहे हैं। जो देवभूमि की आस्था को लेकर बड़े-बड़े दावे करते हैं। पिछले वर्षों में सरकारी देवीं-देवताओं ने देवभूमि में बड़े-बड़े बांध बिजली घर बड़ी-बड़ी सड़कों का निर्माण और ट्रेन चलाने के लिए सुरंग बनाकर देवभूमि की तपस्वी स्थली को अंदर से खोखला कर दिया है। ऋषिकेश करणप्रयाग है प्रोजेक्ट 125 किलोमीटर का है। जिसमें लगभग 15 किलोमीटर में टनल निमार्ण के लिये बोरिंग मशीन चल रही है। ड्रिल और ब्लास्ट किए जा रहे हैं। उत्तराखंड के 4 जिले श्रीनगर मलेथा गोचर जैसे गांवों के नीचे से टनल निकल रही है। नीचे धमाके हो रहे हैं। घरों में दरारे आ रही हैं। उत्तराखंड भूकंप के लगातार झटकों के साथ खतरनाक जोन 5 में आता है। हिमालय की तराई उत्तराखंड में बड़े-बड़े भगवानों और देवी देवताओं ने त्याग तपस्या की है। उस देवभूमि को विकास के नाम पर 33 करोड़ देवी देवताओं को मानने वाले हिंदू किस तरह से अपने देवी-देवताओं के साथ क्रूर व्यवहार कर रहे हैं। इसका जीता-जागता उदाहरण है। 1976 में ही वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी थी कि यहां पर विकास के नाम पर विनाश की योजनाएं नहीं बनाई जाए। लेकिन 2003 के बाद से जैसे सरकारी देवताओं ने पारंपरिक देवताओं का स्थान लेना शुरू कर दिया है। सरकारी देवता पारंपरिक देवी देवताओं से काफी आगे निकल गए हैं। जोशीमठ के शिवलिंग में दरार आ गई है। इससे देवभूमि के नागरिक काफी भयभीत हो गए हैं। मकानों में दरार आ जाना तो फिर भी मान लिया था। लेकिन शिवलिंग जो पत्थर का बना हुआ होता है। उस पत्थर में यदि दरार आ जाए तो वहां के लोगों की धार्मिक आस्थायें उसे भगवान के प्रकोप का एहसास कराने लगी हैं। यह अकेले उत्तराखंड की बात नहीं है। सारे देश में जिस तरीके से सरकारी देवी-देवताओं ने विकास के नाम पर विनाश की जो होड़ देखने को मिल रही है। उसने प्रकृति को पूरी तरह से हिला दिया है। प्राकृतिक इकोसिस्टम खत्म कर दिया है। कर्ज और टैक्स से मिली हुई रकम का उपयोग कंबल ओढ़कर घी पीने के लिए किया जा रहा है। यह अकेले उत्तराखंड के विकास एवं विनाश की कहानी नहीं है। खेती में भी जिस तरह से विकास के नाम पर विनाश को लाया जा रहा है। उसके कारण अगले कुछ वर्षों में श्रीलंका जैसे हालात भारत के हो जाएंगे। बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के बीज लेने के लिये कम्पनियों एवं सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन बीजों को हर बार किसानों को कम्पनियों से खरीदना होगा। जो फसल पैदा होगी वह बीज के रूप में उपयोगी नहीं होगी। वहीं जिस खेत में जो फसल बोई गई है। यदि कोई अन्य बोयगें तो उसकी फसल अच्छी नहीं होंगी। बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के हितों को ध्यान में रखते हुए किसानों एवं नागरिकों के लिये भ्रष्ट राजनेताओं और नौकरशाहों द्वारा जो खिलवाड़ किया जा रहा है। उससे आने वाले समय में भुखमरी जैसे हालात भारत में भी पैदा हो सकते हैं। अब सरकारी देवताओं के साथ-साथ जनता को भी समझना होगा। वहीं सरकारी देवताओं के भरोसे रहे तो जनता का अपना अस्तित्व समाप्त होते देर नहीं लगेगी।

ट्यूशन से पढ़ाई में अव्वल आ सकते हैं बच्चे

कई पेरेंट्स को लगता है कि बच्चे को ट्यूशन की जरूरत नहीं है और इस चक्कर में स्कूल में बच्चे का परफॉर्मेंस खराब होता चला जाता है।

अब पढ़ाई पहले से ज्यादा मुश्किल हो गई है और बड़ी क्लास में जाने पर बच्चों की परेशानियां भी बढ़ रही हैं। काम के बोझ, असाइनमेंट और बड़े सिलेबस की वजह से बच्चों पर बोझ बढ़ रहा है। पेरेंट्स भले ही बच्चों की पढ़ाई में मदद करते हों लेकिन कई सवाल ऐसे आ जाते हैं, जहां उन्हें एक्सपर्ट की सलाह की जरूरत होती है। यहां काम आता है होम ट्यूशन। ट्यूशन से बच्चों को अपने सवालों के जवाब मिलते हैं और वो नए लर्निंग स्किल्स सीखते हैं। अगर आपके बच्चे में ये 5 संकेत दिख रहे हैं, तो समझ लें कि उसे ट्यूशन की जरूरत है।

परफॉर्मेंस में गिरावट

अगर बच्चे की परफॉर्मेंस खराब हो रही है तो इसका मतलब है कि बच्चे को पढ़ाई में बहुत मेहनत करनी पड़ रही है। वहीं अगर बच्चा पहले अच्छा परफॉर्म करता था लेकिन अब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, तो यह वाकई में चिंता की बात है। बच्चे से बात करें कि उसे पढ़ाई में क्या परेशानी आ रही है और उसे ट्यूशन की जरूरत है या नहीं।

आत्मविश्वास में कमी

अगर बच्चे को स्कूल में काम खत्म करने में दिक्कत आ रही है तो इसका उनके कॉन्फिडेंस पर असर पड़ेगा। उन्हें अपना होमवर्क खत्म करने की टेंशन होगी और स्कूल न जाने का मन करेगा और परीक्षा में भी परफॉर्मेंस खराब हो जाएगी। ऐसा संकेत मिलने पर आपको अपने बच्चे के लिए ट्यूशन रख लेना चाहिए। इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

टाइम को मैनेज न करना

टाइम को मैनेज करने में दिक्कत आना या किसी एक सबजेक्ट को याद करने में परेशानी आना भी इस बात का संकेत है कि बच्चे को मदद की जरूरत है। हो सकता है कि बच्चा बाकी सभी सबजेक्ट में अच्छा हो लेकिन गणित और साइंस में उसे परेशानी आती हो। ऐसे में सिर्फ स्कूल जाकर उसकी परेशानी का हल नहीं निकल सकता है। उसे घर पर भी इन विषयों की एक्स्ट्रा क्लास की जरूरत होगी।

होमवर्क करने में दिक्कत आना

अगर बच्चा होमवर्क करने में बहाने बनाता है या स्कूल से मिले काम को छिपा रहा है, तो आप समझ लें कि उसे मदद की जरूरत है। बच्चे अक्सर ऐसा तब करते हैं जब उन्हें कोई टॉपिक समझ न आ रहा हो या काम खत्म करने में दिक्कत हो रही हो। प्राइवेट ट्यूटर बच्चे को उसका काम खत्म करने और टॉपिक को समझने में मदद कर सकते हैं।

खुद के पास नहीं है समय

आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा करे तो आपको भी इसके लिए मेहनत करनी होगी। स्कूल की पढ़ाई पर आप ज्यादा भरोसा नहीं कर सकते हैं। अगर आप बच्चे पर ध्यान नहीं दे सकते हैं या उसकी पढ़ाई में मदद नहीं कर सकते हैं तो उसके लिए होम ट्यूशन रख लें। कई लोग सोचते हैं कि ट्यूशन कमजोर बच्चे लेते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। ट्यूशन से बच्चों को पढ़ाई में काफी मदद मिल जाती है और उनका परफॉर्मेंस भी बेहतर होता है।

सनमाइका लगा फर्नीचर देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है।

फर्नीचर पर लगी सनमाइका को चमकाने में काम आएंगे ये टिप्स

लोग घरों पर सनमाइका लगा फर्नीचर रखना पसंद करते हैं। यह देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है। नहीं तो दाग लगा फर्नीचर गंदा लगता है। इसके साथ लंबे समय तक इसकी सफाई करने पर इसके जिद्दी दाग छुड़वाने में भी परेशानी हो सकती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ खास व आसान से टिप्स बताते हैं। इसकी मदद से आप अपने फर्नीचर की सनमाइका चमकदार रख सकती है। चलिए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

सोडा और डिश वॉश

आप सनमाइका की चमक बरकरार रखने के लिए सोडा और डिश वॉश को इस्तेमाल कर सकती है। इसके लिए एक गिलास पानी में 1-1 बड़ा चम्मच सोडा और डिश वॉश मिलाएं। इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद अपने फर्नीचर पर मिश्रण को स्प्रे करें। बाद में सूखे और कॉटन के कपड़े से सनमाइका को हल्के से साफ करें। इससे आपका फर्नीचर एक साफ होकर नए जैसा चमकने लगेगा।

व्हाइट विनेगर और पानी

इसके लिए 1 गिलास सफेद सिरका और पानी बराबर मात्रा में मिलाएं। तैयार मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरें। फिर इसे सनमाइका पर छिड़कें। इसके बाद सूखे व कॉटन के कपड़े लेकर हल्के हाथों से इसे साफ करें। इससे आपके सनमाइका पर लगी धूल-मिट्टी व दाग-धब्बे साफ हो जाएंगे। ऐसे में आपका फर्नीचर एकदम नए जैसा चमकता हुआ नजर आएगा।

क्लीनिंग सॉल्यूशन

आप ड्रेसिंग टेबल, सेंटर टेबल और खिड़की के शीशों आदि को साफ करने के लिए किसी भी क्लीनिंग सॉल्यूशन को यूज कर सकती है। आप बाजार से किसी भी अच्छे ब्रांड का क्लीनिंग सॉल्यूशन खरीद सकती है। इसके बाद इसे फर्नीचर पर स्प्रे करें और सूखे कपड़े से साफ करें। इससे फर्नीचर पर लगे दाग-धब्बे मिनटों में दूर हो जाएंगे और आपका सनमाइका भी शीशे के जैसे चमकता नजर आएगा।

अगर स्प्रे बोतल ना हो तो...

अगर आपके पास स्प्रे बोतल नहीं है तो इसकी जगह पर आप किसी भी मिश्रण बाउल में लें। फिर कॉटन के कपड़े को हल्का सा मिश्रण डुबोकर फर्नीचर को साफ करें। बाद में सूखे कपड़े से इसे साफ कर लें। आपका फर्नीचर चमक उठेगा।

बच्चों के लिए बनाएं हैल्दी-टेस्टी मैक्सिकन सैंडविच

सेहतमंद रहने के लिए डाइट का हैल्दी होना बेहद जरूरी है। मगर बात बच्चों की करें तो वे खाने-पीने में थोड़ी मूडी होते हैं। ऐसे में आप उन्हें खास मैक्सिकन सैंडविच बनाकर खिला सकती है। सब्जियों व पनीर से तैयार यह सैंडविच खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत के लिए फायदेमंद होता है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

ब्रेड- 4 स्लाइस
बटर- 4 चम्मच
बेक बीन्स- 1/2 बाउल
टमाटर- 1 (कटा हुआ)
प्याज- 1/4 बाउल (कटे हुए)
ग्रेटिड पनीर- 2 बड़े चम्मच
स्प्रिंग ऑनियन- 1 बड़ा चम्मच (कटा हुआ)
नमक-स्वाद अनुसार
रेड चिली सॉस- 1 छोटा चम्मच
टोमैटो सॉस- 1 बड़ा चम्मच
सालसा सॉस- 2 बड़े चम्मच

विधि

- सबसे पहले ब्रेड को ट्राएंगल शेप में काटकर बटर लगाएं।
- एक बाउल में सभी सब्जियां व सॉस मिलाएं।
- तैयार स्टफिंग को ब्रेड पर लगाकर दूसरे ब्रेड स्लाइस से ढक दें।
- अब ब्रेड पर दोनों तरफ बटर लगाकर तवे पर शैलो फाई करें।
- आप चाहें तो इसे बेक कर सकती है।
- तैयार मैक्सिकन सैंडविच को सालसा व टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

नाश्ते में बनाएं इंदौरी पोहा

नाश्ते में खासतौर पर लोग पोहा खाना पसंद करते हैं। वहीं लोग इसमें अलग-अलग सब्जियां डालकर खिलाते हैं। मगर आज हम आपके लिए खास इंदौरी पोहा की रेसिपी लेकर आते हैं। यह चिड़वा, सब्जी, भुजिया और मूंगफली से तैयार किया जाता है। इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

पोहा-2 कप
हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी)
सौंफ- 1 छोटा चम्मच
राई- 1/2 छोटा चम्मच
हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
शक्कर- 2-3 बड़े चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
हरा धनिया- 1 बड़ा चम्मच (बारीक कटा)
प्याज- 1/2 कप (बारीक कटा)
चटपटी इंदौरी सेव- जरूरत अनुसार
तेल- 2 बड़े चम्मच
मसाला बूंदी- जरूरत अनुसार
जीरावन मसाला- जरूरत अनुसार
नींबू- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- सबसे पहले पोहा धोएं और इसका पानी निकाल कर अलग रखें।
- अब इसमें हल्दी, नमक और शक्कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके राई का तड़का लगाएं।
- इसमें हरी मिर्च, सौंफ पकाएं।
- इसमें पोहा मिलाकर धीमी आंच पर पकाएं।
- अब एक पतीले में पानी उबालें।
- उस पानी में पोहा का पैन रखकर इसे भाप में पकाएं।
- पोहा पकने पर इसे प्लेट में निकालें।
- इसे सेंव, प्याज, जीरावन मसाला, बूंदी और नींबू से गार्निश करके सर्व करें।

चाय के साथ बनाएं चटपटे आलू ब्रेड रोल

मानसून में चाय के साथ अक्सर लोग कुछ चटपटा खाना पसंद करते हैं। ऐसे में आप आलू से चटपटे ब्रेड रोल बना सकती है। यह टेस्टी होने के साथ बनाने में भी आसान है। चलिए जानते हैं चटपटे आलू ब्रेड रोल बनाने का तरीका...

सामग्री

ब्रेड- 11
आलू- 6 (उबले और मैश्ड)
हरा धनिया- 2 बड़े चम्मच (बारीक कटा)
धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच
अमचूर पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
गरम मसाला- 1/4 छोटा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- तलने के लिए

विधि

- पैन में तेल गर्म करके आलू व सभी मसाले डालकर भून लें।
- मिश्रण को हल्का ठंडा करके छोटे-छोटे बॉल्स बना लें।
- अब ब्रेड को किनारों से काटकर पानी में डुबोकर तुरंत निकाल लें।
- इसे हथेली से दबाकर ब्रेड से एक्सट्रा पानी निकाल लें।
- अब इसमें आलू की एक बॉल रखकर रोल बना लें।
- इसी तरह बाकी के ब्रेड रोल बनाएं।
- अलग पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रोल सुनहरा बुरा होने तक तल लें।
- इसे प्लेट में रखकर नैपकिन से एक्सट्रा तेल निकाल लें।
- अब टोमैटो सॉस या धनिया की चटनी से इसे सर्व करें।

अपने बच्चे को सिखाएं मनी मैनेज करना

बच्चे जब बड़े होने लगते हैं तो उन्हें वित्तीय शिक्षा देना आवश्यक हो जाता है। वे आपका अनुकरण करके भी सीख जाएंगे, पर समय-समय पर उन्हें छोटी-छोटी बातें बताकर आप उन्हें अपने जिम्मेदार बनाने में मदद कर सकते हैं। अपने बच्चों से आप कीमतों और उत्पादों की तुलना पर चर्चा करें। उन्हें भी किराने की दुकान पर अपने साथ ले जाएं, फिर धीरे-धीरे छोटे-मोटे सामान लाने के लिए उन्हें अकेले भेजें। इससे उनमें बाजार और पैसे की समझ पैदा होगी। बच्चे जितनी जल्दी पैसों का प्रबंधन सीख जाएं, उतना अच्छा है। इस तरह वे जीवन का एक महत्वपूर्ण सबक सीखेंगे। जब वे वयस्क हो जाएंगे तो अपने आप स्मार्ट वित्तीय विकल्प बनाने लग जाएंगे। बचपन से ही उन्हें पैसे के प्रबंधन के लिए इन 3 तरीकों को जानना बेहद जरूरी है-

सहेजना/ बचत करना

इस तरीके को आसानी से समझाने के लिए आप अपने बच्चे को गुल्लक लाकर दीजिए। जब भी बच्चे को उपहार के रूप में पैसे मिलें तो उसे वे गुल्लक में डालने के लिए कहें, फिर उसे पैसे गिनने के लिए कहें और ये समझाएं कि पैसे जमा हो रहे हैं और बढ़ रहे हैं। ऐसा करने के लिए अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें।

खर्च करना

अपने बच्चे को बुद्धिमानी से खर्च करना सिखाएं। जब वे एक नए पेंसिल बॉक्स पर खर्च करना चाहें तो उनसे पूछें कि क्या वे वास्तव में इसे खरीदना चाहते हैं? उनके लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनके लिए क्या जरूरी है और क्या नहीं। इससे बच्चा अपनी असली जरूरतों को समझेगा और फिजूलखर्ची नहीं करेगा।

दान

उन्हें साझा करना सिखाएं। उसे सिखाएं कि उदारता से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। इसी के साथ उन्हें पैसे की कद्र करना सिखाएं, पैसे की बचत करना सिखाएं, फिजूलखर्ची होने पर उन्हें चेताएं और सबसे जरूरी यह है कि आप खुद उनके लिए एक आदर्श उदाहरण बनें। बच्चे आपका अनुकरण अवश्य करेंगे।

ड्रैसिंग रूम को दें अलग अंदाज

अपने आशियाने को करीने से सजाना प्रत्येक महिला की चाहत होती है। ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्थान के कुछ ईजी टिप्स, रोशनी लगाने का एक अलग अंदाज और सोफे में ही टेबल के एक लेटेस्ट डिजाइन के बारे में जानना भी जरूरी है। तो आइए जानें ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्पेस कैसे बनाएं

- आप जिन चीजों को रख रही हैं उनकी लेबलिंग करें। बास्केट पर लिख दें कि यह किस चीज के लिए है।
- तौलिए, कपड़ों को टांगने वाले हुक कुछ ऐसे हों कि आसानी से दीवार में टांगे जा सकें और सही तरह से उनमें ज्यादा सामान आ सके।
- दरवाजे के ऊपर पोर्शन रखें, बशर्ते आपके ड्रैसिंग रूम की छत ऊंची हो। इसके ऊपर का स्थान सबसे अहम है क्योंकि उसे आप स्टोरेज के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।
- कॉर्ड कंट्रोल या वायर को घुमा कर रखने से ड्रायर, इलैक्ट्रिक शेवर्स और प्रैस रख सकती हैं।
- ड्रेसिंग टेबल के करीब अपने सभी छोटे मोटे सामान रखें। जिसकी आपको रोजाना जरूरत पड़ती है। सामान को धूल से बचाने के लिए सुंदर शोपीस का इस्तेमाल करें जिसमें अपनी पसंदीदा चीजें प्रदर्शित कर सकती हैं।
- गद्देदार कोट हैंगर पर नाजुक कपड़ों को लटकाएं। इससे वो लंबे समय तक खराब नहीं होंगे।
- कभी आपको अचानक यात्रा के लिए जाना पड़ जाए तो इसके लिए एक वानिटी - कैस हमेशा तैयार रखें।
- अच्छी तरह से संगठित अलमारी आपके कपड़ों को टिप टॉप हालत में रखती है।
- सुंदर लटके हुए कपास भंडारण बैग में अपने पसंदीदा अधोवस्त्र स्टोर किए जा सकते हैं।

स्किन को ग्लोइंग रखते हैं करेले से बनें ये तीन फेस पैक

करेला जितना स्वाद में कड़वा लगता है यह सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है केवल खाने में नहीं बल्कि इसे लगाने से भी स्किन से संबंधित कई समस्याएं दूर होती है। बता दें कि करेला यह स्किन पर होने वाले पिंपल्स और एक्ने से हमें बचाता है और चेहरे पर नेचुरल ग्लो लेकर आता है। इसके अलावा करेले को सुपरफूड भी कहा जाता है। आईए जानते हैं करेला हमारी स्किन कैसे फायदेमंद है।

करेले के गुण

करेले में विटामिन-सी, आयरन, बीटा-केराटिन, पोटेशियम, कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया और कीटाणुओं हटाकर स्किन को ग्लोइंग लुक देते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाएं जाते हैं जो एजिंग की प्रक्रिया को स्लो करने में मदद करता है। इसी के साथ आज हम आपको करेले के कुछ फेस पैक्स बताएंगे जो आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। आईए जानते हैं करेले से बने फैस पैक के बारे में

खीरे से ऐसे बनाएं करेला फेस पैक

डल स्किन को रिमूव करने के लिए खीरे और करेले का फेस पैक बहुत ही बढ़िया है। खीरे में मौजूद पानी स्किन को साफ करने में मदद करता है। वहीं इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले और खीरे के कुछ टुकड़े लें और उसे मिक्सर में पीस लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में चेहरा ठंडे पानी से धो लें। इस फेस पैक को लगाने से आपकी डल स्किन रिमूव होगी और चेहरा ग्लो करेगा।

अंडे-दही से बनाएं करेला फेस पैक

अंडा और दही स्किन को हाइड्रेट करने में बहुत ही मददगार है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन पोर्स को टाइट करता है और चेहरे की झुर्रियां कम होती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले का रस लें और दही और अंडे में अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 25 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में इसे गर्म पानी से धो लें। इससे आपकी स्कीन टाइट और ग्लोइंग लगेगी।

नीम हल्दी से बनाएं करेला फेस पैक

नीम में एंटीऑक्सीडेंट गुण भरपर पाएं जाते हैं जो स्किन को पिंपल्स और एक्ने से बचाने में मदद करता है। वहीं इसमें मौजूद हल्दी स्किन पर निखार लाने का काम करती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप ब्लेंडर में करेले, नीम और हल्दी को डाले और एक पेस्ट तैयार कर लें, इसके बाद में इसे चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के छोड़ दें, बाद में गुनगुने पानी से इसे धो लें। कुछ ही दिनों में आपको पिंपल्स और एक्ने की समस्या दूर हो जाएगी।

15 जनवरी से मंडियों में अंगूरों की आवक बढ़ेगी

मुंबई । 15 जनवरी से मंडियों में अंगूरों में आवक बढ़ने की संभावना है। इसके बाद घरेलू बाजारों में भी इसकी आपूर्ति में बढ़ोतरी होगी। अमेरिका रूस और यूरोपीय देशों में भारतीय अंगूर की अधिक मांग है। महाराष्ट्र के नासिक से खाड़ी देशों को निर्यात शुरू हो चुका है। बारामती के किसना काला अंगूर चीन भेज रहे हैं। महाराष्ट्र राज्य अंगूर उत्पादक संघ अध्यक्ष शिवाजी पवार ने कहा कि जनवरी के दूसरे पखवाड़े से निर्यात भी तेजी आएगी। उन्होंने बताया है कि निर्यात से किसनों को अच्छी आय भी प्राप्त हो जाती है। विदेशी ग्राहक काला अंगूर 140 रुपए किलो तक खरीद रहे हैं। वहीं खेत में हरा अंगूर 75 से 85 रुपए किलो बिक रहा है। इस साल मौसम की मार के बाद भी पुणे नो सिक जलगांव ओ दि जिलों में अंगूर की फसल ठीक है। अब तक देश में 35153 किसनों ने अंगूर निर्यात के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है।

पीएनबी के विज्ञापन की लोग कर रहे खूब तारीफ

मुंबई । विज्ञापन के लिए कंपनियां अलग-अलग स्टंट करती हैं। पिछले कुछ दिनों से कंपनी ब्लिंकिट जोमैटो का विज्ञापन खूब वायरल हो रहा है। उनके हुनर को देख आप भी तारीफ करेंगे। हालांकि सरकारी बैंक पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) इससे भी दो कदम आगे निकल गई। अपने लोन सेविंग स्कीम और एफडी का विज्ञापन जिस तरह से पीएनबी ने किया यह देखकर लोग खूब तारीफ कर रहे हैं। बैंक का ये ट्वीट वायरल हो रहा है। जोमैटो और ब्लिंकिट के दूध-खीर वाली पंच लाइन के तर्ज पर पीएनबी बैंक ने अपने एफडी सेविंग स्कीम और लोन फैसिलिटी का विज्ञापन किया है। पीएनबी ने पंच लाइन के साथ ताबड़तोड़ ट्विट किए। बैंक ने ट्वीट कर लिखा सेविंग मांगोगे 666 दिन की एफडी पर 8.10 फीसदी का ब्याज देंगे। पर्सनल लोन मागेंगो तो प्री अप्रूव्ड पर्सनल लोन देंगे। क्रेडिट कार्ड मांगोगे तो प्री-क्वालिफाइड क्रेडिट कार्ड देंगे। बैंक ने फोटो लगाई बैंक फॉम होम मांगोगे तब व्हाट्सऐप बैंकिंग देंगे। बैंक के इस अलग अंदाज को देखकर लोग उसकी क्रिएटिविटी की तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि आरबीआई द्वारा रेपो रेट में बढ़ोतरी किए जाने के बाद से बैंकों ने सेविंग प्लान की ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर दी है। बैंक ने एफडी की ब्याज दरों में इजाफा कर दिया है। बैंक ने एफडी की ब्याज दरों में 50 बेसिक प्वाइंट की बढ़ोतरी की है। नई दरें 1 जनवरी 2023 से लागू हो गई हैं।

भारत को चीन के निवेशकों को आकर्षित करने तैयार रहना चाहिएः फडणवीस

औरंगाबाद । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भारत को चीन से बाहर निकलने वाले निवेशकों को आकर्षित करने के लिए तैयार रहना चाहिए। फडणवीस ने यहां एडवांटेज महाराष्ट्र एक्सपो के समापन सत्र में कहा कि दुनिया का कारखाना कहे जाने वाले चीन से उद्योगों का पलायन हुआ है। चीन में वैश्विक उत्पादन का लगभग 40 प्रतिशत उत्पादन होता है। फडणवीस ने यह भी कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने पिछले छह महीनों में 90000 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी है। वैश्विक निवेशकों ने इस समय चीन से हटने का फैसला किया है और भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जो इस निकासी को आत्मसात कर सकता है। हमें उन्हें आकर्षित करने की जरूरत है क्योंकि निवेशकों ने महसूस किया है कि वे अपने सारे अंडे एक टोकरी में नहीं रख सकते हैं। फडणवीस ने कहा कि यह एक उपयुक्त समय है और हमें इसका लाभ उठाने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक मंदी के बावजूद भारत सात-आठ प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रहा है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।(एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन शुरुआती तीन सत्र की गिरावट के बाद हुई भारी खरीददारी से बाजार में ये उछाल आया है। आज कारोबार के दौरान फार्मा एफएमसीजी रियल्टी आईटी और धातु शेयरों में तेजी रही जबकि केवल उपभोक्ता शेयरों में गिरावट रही। इसके अलावा मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी बढ़त के साथ ही बंद हुए हैं। इंफ्रा वाहन उर्जा और बैंकिंग शेयरों में भी लिवाली (खरीददारी) के कारण बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 846.94 अंक करीब 1.41 फीसदी बढ़कर 60747.31 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 241.70 अंक तकरीबन 1.35 फीसदी ऊपर आकर 18101.20 पर बंद हुआ. आज के कारोबार के दौरान एमएंडएम टीसीएस एचसीएल टेक्नोलॉजी एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और इंडसइंड बैंक के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। वहीं दूसरी ओर टाइटन बजाज फिनसर्व ग्रेसिम बजाज ऑटो और एचडीएफसी निफ्टी के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर शुरु हुआ और तीन सत्र तक यह गिरावट बनी रही।

उसके बाद बाजार में सुधार आना शुरु हुआ जो अंत तक बना रहा। इससे पहले शुक्रवार को बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

रुपया तेजी के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया तेजी के साथ बंद हुआ। रुपया अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 29 पैसे की बढ़त के साथ ही 82.37 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपये में ये उछाल डॉलर में आई गिरावट और भारतीय बाजार में बढ़त से आई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.41 के स्तर पर खुला और कारोबार के अंत में 29 पैसे बढ़कर 82.37 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान एक समय रुपया 82.25 प्रति डॉलर के दिन उच्च स्तर तक पहुंचा और 82.44 के निचले स्तर तक आया। वहीं गत कारोबारी सत्र में रुपया 82.66 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। दूसरी ओर विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की कमजोरी और मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 फीसदी नीचे आकर 103.62 पहुंच गया।

एचडीएफसी और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने एमसीएलआर में बढ़ोतरी की

मुंबई ।(एजेंसी)

निजी सेक्टर के दो बैंक एचडीएफसी और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के ग्राहकों को बड़ा झटका लगा है। दरअसल दोनों बैंकों ने मार्जिनल कॉस्ट बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) में बढ़ोतरी की है। एमसीएलआर में बढ़ोतरी से होम ऑटो और पर्सलन लोन महंगे हो जाएंगे। बता दें कि रेपो रेट बढ़ने के बाद कई बैंकों ने एमसीएलआर बढ़ाए हैं। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने लेंडिंग रेट्स में 15-20 बेसिस प्वाइंट्स की बढ़ोतरी की है। वहीं एचडीएफसी बैंक ने लेंडिंग रेट्स में 20-25 बेसिस प्वाइंट्स की बढ़ोतरी की है। एचडीएफसी बैंक की नई ब्याज दरें 7 जनवरी 2023 से लागू है जबकि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की दरें 8 जनवरी 2023 से प्रभावी हो चुकी है। एचडीएफसी बैंक ने एक दिन के लिए एमसीएलआर को बढ़ाकर 8.50 फीसदी किया है। बैंक ने 1 माह के लिए एमसीएलआर को 8.55 फीसदी 3 महीने के लिए 8.60 फीसदी 6 माह के लिए 8.70 फीसदी 1 साल के लिए 8.85 फीसदी 2 साल के लिए 8.95 फीसदी और 3 साल के लिए 9.05 फीसदी कर दिया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने ओवरनाइट लोन के लिए एमसीएलआर बढ़ाकर 8.40 फीसदी कर दिया है। 1 महीने के लिए 8.40 फीसदी तीन महीने के लिए 8.70 फीसदी 6 महीने के लिए 9.15 फीसदी और 1 साल के लिए एमसीएलआर को बढ़ाकर 9.50 फीसदी कर दिया गया है। एमसीएलआर में बढ़ोतरी के साथ टर्म लोन पर ईएमआई बढ़ने की उम्मीद है। ज्यादातर कंज्यूमर लोन एक साल के मार्जिनल कॉस्ट बेस्ड लेंडिंग रेट के आधार पर होती है। इसके बाद एमसीएलआर में बढ़ोतरी से पर्सनल लोन ऑटो और होम लोन महंगे हो सकते हैं।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने प्रोटो परीक्षा और व्यवहार्यता अध्ययन उद्देश्यों के लिए हाइड्रोजन ईंधन सेल मॉड्यूल की आपूर्ति की

बेंगलुरू । "सब के लिए खुशियां पैदा करने" के अपने मिशन के अनुरूप, टोयोटा हरित और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों का विकास करता रहा है। इस तरह, भिन्न क्षेत्रों में निरंतरता को बढ़ावा दे रहा है। कंपनी अपने इस मिशन से एक 'भविष्य-प्रमाणित' स्थायी समाज की स्थापना में योगदान करना चाहती है जो प्रकृति के अनुरूप हो। विद्युतीकृत और अन्य हरित वाहन प्रौद्योगिकी में अग्रणी होने के नाते, कंपनी प्रत्येक देश/क्षेत्र में विद्युतीकृत और वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों की पेशकश करने का प्रयास करती है ताकि सीओटू (CO_2) उत्सर्जन न्यूनतम हो। इसके लिए ऊर्जा के उत्पादन, बुनियादी ढांचे की तैयारी और प्रत्येक देश / क्षेत्र में उपभोक्ताओं द्वारा इन्हें अपनाने का ख्याल रखा जाता है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर टोयोटा 2050 तक कार्बन तटस्थता के लिए प्रतिबद्ध है और 2035 तक विनिर्माण कार्यों में नेट कार्बन जीरो हासिल करने का लक्ष्य है।

फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक व्हेकिल्स (एफसीईवी) हाइड्रोजन द्वारा संचालित होते हैं और इनके सबसे स्वच्छ ईंधन होने के कारण टेलपाइप से कोई उत्सर्जन नहीं करते हैं। अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ग्रीन हाइड्रोजन उत्पन्न होता है और यह सौर व पवन ऊर्जा के लिए भंडारण आवश्यकताएं मुहैया कर सकता है जो बड़े पैमाने पर तेजी से अपनाए जाने के लिए महत्वपूर्ण है। हाइड्रोजन में बैटरियों के मुकाबले उच्च ऊर्जा घनत्व होता है और यह लंबी अवधि के लिए, ऊर्जा को संग्रहित कर सकता है तथा पोर्टेबल होता है। इस तरह यह विविध अनुप्रयोगों के लिए एक उत्कृष्ट ऊर्जा कैरियर बनता है। इन फायदों के साथ, हाइड्रोजन हमारे देश के ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

व्यापक परिप्रेक्ष्य में, टोयोटा हाइड्रोजन तकनीक और विभिन्न क्षेत्रों में फ्यूल सेल मॉड्यूल के उपयोग को व्यापक रूप से अपनाने और स्केलेबिलिटी हासिल करने के लिए बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किये हुए है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल मॉड्यूल विभिन्न इस्तेमाल की सेवा के लिए ऊर्जा स्रोत प्रदान करता है जो अनिवार्य रूप से प्रतिस्पर्धात्मकता और भविष्य के टिकाऊ हाइड्रोजन समाज के निर्माण की कुंजी है। इसके अलावा, ट्रकों और भारी परिवहन, ट्रेन, बस, विमानन, शिपिंग, फोर्कलिफ्ट और औद्योगिक प्रक्रियाओं जैसे अधिक चुनौतीपूर्ण अनुप्रयोगों में शून्य सीओ2 उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए, हाइड्रोजन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस दिशा में, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज अशोक लीलैंड को अपने फ्यूल सेल मॉड्यूल (एक यूनिट) की आपूर्ति की घोषणा की, ताकि प्रोटो परीक्षण और व्यवहार्यता अध्ययन के उद्देश्य से भारत में फ्यूल-सेल वाणिज्यिक वाहन का निर्माण किया जा सके।

जब हाइड्रोजन आधारित विद्युतीकृत वाहन प्रौद्योगिकी की बात आती है, तो फुएल सेल मॉड्यूल वह दिल होता है जो हाइड्रोजन इलेक्ट्रिक पावर ट्रेन को शक्ति प्रदान करता है। टोयोटा ने अपनी मजबूत तकनीकी क्षमताओं को देखते हुए शून्य कार्बन उत्सर्जन वाहनों को विकसित करने के लिए भारत में फुएल-सेल मॉड्यूल के उपयोग को बढ़ावा देने और बढ़ाने के लिए निश्चित कदमों में आगे बढ़ने का इरादा किया है।

टोयोटा की हाइड्रोजन फुएल सेल-आधारित तकनीक जीवाश्म ईंधन से तेजी से दूर जाने, अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने, ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद कर सकती है। इसके अलावा, भारत के ऊर्जा मिश्रण, इसकी अनूठी उपभोक्ता प्रोफ़ाइल और जरूरतों, बुनियादी ढांचे की तैयारी तथा 2047 तक ऊर्जा में %आत्मनिर्भर% बनने की दिशा में सरकार के विविध प्रयासों को देखते हुए टोयोटा मोबिलिटी समाधानों को आगे बढ़ा रही है। इसमें ज्यादा दक्षता है और इसलिए कई स्वच्छ प्रौद्योगिकी उपायों का समर्थन कर रही है। इसके लिए समान हित वाले अन्य स्टेकधारकों से हाथ मिलाकर देश के कार्बन न्यूट्रल लक्ष्यों में योगदान करने के उद्देश्य से काम कर रही है।

टाटा मोटर्स ने शुरू की ऐस ईवी की डिलीवरी,लास्ट-माइल डिलीवरी में होगा नये युग का आगाज़

नई दिल्ली। भारत में कमर्शियल व्हीकल बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी टाटा मोटर्स ने आज नये ऐस ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) की डिलीवरी शुरू करके इंट्रा-सिटी कार्गो ट्रांसपोर्ट के लिये परिवहन के स्थायी समाधान प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। ऐस ईवी भारत का सबसे एडवांस्ड, शून्य-उत्सर्जन करने वाला, फोर-व्हील का छोटा कमर्शियल वाहन है। क्रांतिकारी ऐस ईवी का पहला बेड़ा अग्रणी ई-कॉमर्स, एफएमसीजी और कुरियर कंपनियों तथा उनके लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाताओं जैसे कि अमेज़न, डिल्हीवरी, डीएचएल (एक्सप्रेस एवं सप्लाई चेन), फेडएक्स, फ्लिपकार्ट, जॉन्सन एण्ड जॉन्सन कंज्यूमर हेल्थ, मूविंग, सेफेक्सप्रेस और ट्रेंट लिमिटेड को दिया गया है।

नये ऐस ईवी को मई 2022 में पेश किया गया था और इसे इनके यूजर्स के साथ मिलकर विकसित किया गया था और इसने बाजार के असली कठोर परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा किया है। काफी मेहनत से तैयार किये गये एक इकोसिस्टम से समर्थित ऐस ईवी परेशानी से मुक्त ई-कार्गो परिवहन के लिये एक संपूर्ण समाधान और 5 साल के व्यापक मैंटेनेन्स पैकेज के साथ आता है। 100त्न अपटाइम के साथ इसके मजबूत प्रदर्शन को ग्राहकों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। ऐस ईवी के सहायक इकोसिस्टम में चार्जिंग के बुनियादी ढांचे का विकास और स्थापना, बेड़े के अधिकतम अपटाइम के लिये समर्पित इलेक्ट्रिक व्हीकल सपोर्ट सेंटर्स की स्थापना, बेड़े के बेहतरीन प्रबंधन के लिये अगली पीढ़ी के समाधान टाटा फ्लीट एज की स्थापना, टाटा समूह की संबद्ध कंपनियों के सक्षम बनाने वाले और प्रमाणित इकोसिस्टम टाटा यूनिवर्सल का समर्थन, और वित्तपोषण के लिये देश के अग्रणी फाइनेंसर्स के साथ भागीदारियाँ शामिल हैं।

ऐस ईवी के पहले बेड़े को हरी झंडी दिखाते हुए, टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक श्री गिरीश वाघ ने कहा, "भारत की सड़कों पर ऐस ईवी का आना शून्य-उत्सर्जन वाले कार्गो परिवहन के सफर में एक बड़ा कदम है। हमारे भागीदारों के साथ मिलकर बनाया गया यह संपूर्ण समाधान अंतर्शहरी वितरण की विभिन्न जरूरतों को प्रभावी तरीके से पूरा करता है और सभी साझीदारों को शानदार मूलय प्रस्ताव प्रदान करता है। अपने ग्राहकों के भरोसे और समर्थन के लिये हम आभारी हैं। ऐस ईवी को मिली प्रोत्साहक प्रतिक्रिया हमें स्थायी परिवहन के लिये अपने प्रयासों को गति देने और नेट-ज़ीरो से जुड़ी देश की आकांक्षाओं में सहयोग देने के लिये प्रेरित करती है।"

विस्तारा से 1899 रुपए में करें हवाई यात्रा

नई दिल्ली । टाटा ग्रुप की प्रीमियम एयरलाइन विस्तारा केवल 1899 रुपए में देश में हवाई यात्रा का मौका दे रही है। एयरलाइन ने अपनी आठवीं वर्षगांठ के मौके पर एक सेल शुरू की है। इस सेल में 23 जनवरी 2023 से 30 सितंबर 2023 तक की यात्रा के लिए टिकट बुक की जा सकती है। घरेलू यात्रा के लिए एक तरफ की टिकट की कीमत मात्र 1899 रुपए से शुरू हो रही है जबकि इंटरनेशनल रिटर्न टिकट की कीमत 13299 रुपए से शुरू हो रही है। इतना ही नहीं कंपनी एडवांस सीट सेलेक्शन और एक्सेस बैगेज पर 23 फीसदी छूट भी दे रही है। 12 जनवरी तक आप इस सेल का फायदा उठा सकते हैं। विस्तारा हाल में ईयर एंड सेल लेकर आई थी। यह सेल 29 दिसंबर तक चली थी। उसमें 10 जनवरी 2023 से 30 सितंबर 2023 तक की यात्रा के लिए टिकट पर छूट दी गई थी। उसमें घरेलू यात्रा के लिए एक तरफ की टिकट की कीमत मात्र 2023 रुपए रखी गई थी जबकि इंटरनेशनल रिटर्न टिकट की कीमत 13699 रुपए से शुरू हो रही थी। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो भी हाल में तीन दिन की विंटर सेल लेकर आई थी। इस सेल में हवाई टिकट की कीमत सिर्फ 2023 रुपए रखी गई थी। यह सेल शुक्रवार 23 दिसंबर से 25 दिसंबर तक चली थी।

आईडिया वोडाफोन स्टॉक ने किया कंगाल बाजार में बंपर उछाल बाद भी शेयर मूल्य सुस्त

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

शेयर बाजार में आज तेजी का रुख देखा गया। सेंसेक्स और निफ्टी दोपहर डेढ़ बजे के करीब सवा फीसद से ऊपर कारोबार कर रहे थे। बीएसई पर 3716 में 2209 स्टॉक्स हरे और 1315 लाल निशान पर थे। गिरने वाले स्टॉक्स में वोडाफोन-आइडिया भी था जो कभी अपने निवेशकों को मालामाल करने के लिए जाना जाता था। आज वोडाफोन आइडिया के शेयरों की हालत इतनी पस्त है कि इस उछलते मार्केट में भी वह करीब 4.50 फीसद टूट गया है। आइडिया के शेयर 17 अप्रैल 2015 को 118.96 रुपये के भाव पर थे लेकिन वोडाफोन-आइडिया के शेयर अब 7.35 रुपये पर आ गए हैं। आज सोमवार को शुरुआती कारोबार में वोडाफोन-आइडिया 7.35-7.85 के बीच ट्रेड कर रहा है। आज इसने 52 हफ्ते का लो देखा है। आइडिया के शेयर 16 मई 2007 को 56 रुपए के आसपास थे। इसके बाद 24 अक्टूबर 2008 को 22.26 रुपए पर आ गए। इस स्तर से आइडिया के शेयर ने चढ़ना शुरू किया और 17 अप्रैल 2015 को आइडिया के शेयर 118.96 रुपए के भाव पर पहुंच गए। इसके बाद लुढ़कते हुए यहां तक आ गए हैं।

पिछले 5 साल में वोडाफोन-आइडिया 88.64 फीसदी टूट चुका है। एक साल में करीब 50 फीसद नुकसान पहुंचाने वाला यह स्टॉक इस साल अब तक लाल निशान पर ही है। इसका 52 हफ्ते का हाई 15.75 और लो 7.35 रुपए है। वोडाफोन-आइडिया के स्टॉक्स पर अगर दांव लगाने की सोच रहें हैं तो पहले एक्सपर्ट्स के राय जान लीजिए। कुल 19 में से 6 एनॉलिस्ट ने इस स्टॉक में बने रहने अर्थात शेयर होल्ड रखने की सलाह दी है जबकि 10 ने तुरंत बेच कर निकलने की सलाह दी है। वहीं 3 ने कहा है कि जब भी मौका मिले इस स्टॉक को बेचकर निकलने में ही भलाई है।

वोडाफोन आइडिया के प्रमोटर भी अब अधिक पूंजी लगाने के इच्छुक नहीं हैं। प्रमोटर्स 2000-3000 करोड़ रुपए डालने को तैयार हैं लेकिन कंपनी को पुनर्जीवित करने के लिए यह बहुत कम है। वोडाफोन आइडिया (वीआई) को खुद को बनाए रखने के लिए लगभग 40000-45000 करोड़ रुपए की जरूरत है। यह मानते हुए कि बैंक इसका लगभग आधा हिस्सा फंड करते हैं प्रमोटरों को बाकी पैसा लगाना होगा। प्रमोटर फंडिंग के अभाव में कंपनी के लिए यह मुश्किल होगा।

पेटीएम ने बिजनेस ऑपरेटिंग परफोर्मेन्स की घोषणा

मुंबई ।(एजेंसी)

अग्रणी भुगतान और वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही के लिए अपने बिजनेस ऑपरेटिंग परफोर्मेन्स की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही के लिए ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू (जीएमवी) के साथ इसकी मजबूत वृद्धि 3.46 लाख करोड़ रुपये पर जारी है। कंपनी ने कहा कि यह 5.8 मिलियन व्यापारियों के साथ ऑफ्लाइन भुगतान में बाजार पर राज करना जारी रखा है जो अब पैमेंट डिवाइसों के लिए सब्सक्रिप्शन का भुगतान कर रहे हैं जबकि उपयोगकर्ता जुड़ाव भी बढ़ रहा है। पेटीएम ने कहा है कि सुपर एप अपने व्यापक भुगतान और वित्तीय सेवाओं के लिए बढ़ते उपभोक्ता जुड़ाव को लेकर आशान्वित है। दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही के लिए कंपनी का औसत मासिक लेनदेन उपयोगकर्ता (एमटीयू) 32 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की मजबूत वृद्धि दर्ज करते हुए 85 मिलियन रहा।

कंपनी ने कहा उपभोक्ताओं और व्यापारियों द्वारा मजबूत स्वीकृति के साथ हमारे भुगतान और ऋण देने का कारोबार जारी है। हम निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखते हैं और हमें लाभप्रदता योजनाओं पर भरोसा है। पेटीएम ने साल-दर-साल 3.8 मिलियन डिवाइस जोड़ने के साथ ऑफ्लाइन भुगतान में एक नया मील का पत्थर हासिल किया। अपने मुख्य भुगतान व्यवसाय के लिए अपनी योजनाओं पर बताते हुए कंपनी ने कहा कि एमडीआर से परे अतिरिक्त भुगतान मुद्रीकरण बनाने पर ध्यान देने के साथ सदस्यता सेवाओं पर इसका ध्यान लगातार बढ़ रहा है। पेटीएम ने कहा एक सेवा मॉडल के रूप में हमारी सदस्यता के साथ हमारे मर्चेंट लोन डिस्ट्रीब्यूशन के लिए फनल को बढ़ाते हुए डिवाइसों को अपनाने से हायर पैमेंट वॉल्यूम्स और सदस्यता राजस्व प्राप्त होता है। शीर्ष ऋणदाताओं के साथ साझेदारी में कंपनी का ऋण वितरण कारोबार तेजी से बढ़ रहा है और अदायगी में साल-दर-साल 330 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। दिसंबर माह में 3665 करोड़ रुपए के ऋण वितरित किए गए। दिसंबर के लिए ऋणों की संख्या 117 प्रतिशत बढ़कर 3.7 मिलियन हो गई और दिसंबर 2022 को समाप्त तीन महीनों के लिए 137 प्रतिशत बढ़कर 10.5 मिलियन संचयी ऋण हो गया। नतीजतन दिसंबर 2022 को समाप्त तीन महीनों के लिए कुल अदायगी 9958 करोड़ रुपये थी जो कि 357 प्रतिशत की वृद्धि थी।

बजट में कृत्रिम हीरे के कच्चे माल पर आयात शुल्क हटाने की मांग

मुंबई ।(एजेंसी)

रत्न एवं आभूषण निर्यातकों ने सरकार से आगामी बजट में प्रयोगशाला में तैयार होने वाले हीरे के कच्चे माल पर आयात शुल्क हटाने के साथ ही आभूषण मरम्मत नीति की घोषणा की मांग की है। रत्न एवं आभूषण उद्योग ने सरकार से विशिष्ट अधिसूचित क्षेत्रों में हीरों की बिक्री पर अनुमानित कर लगाने का सुझाव भी दिया है। इसके अलावा विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) के लिए लाए जा रहे नए देश विधेयक को लागू करने की भी मांग की गई है। उद्योग ने एक फरवरी को पेश होने वाले बजट में एक तरह के हीरा पैकेज की घोषणा करने का सरकार से अनुरोध करते हुए कहा है कि अमेरिका और यूरोप में उच्च मुद्रास्फीति एवं आर्थिक संकट पैदा होने के साथ ही चीन में लॉकडाउन से हीरे के निर्यात एवं इसमें मिलने वाले रोजगार पर प्रतिकूल असर पड़ा है। प्राकृतिक रूप से मिलने वाले हीरे के उत्खनन पर आने वाली ऊंची लागत को देखते हुए प्रयोगशाला में हीरा बनाने (एलजीडी) पर काफी जोर दिया जा रहा है। एलजीडी को विशेष मानकों का ध्यान रखते हुए प्रयोगशाला के भीतर अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी की मदद से तैयार किया जाता है। इसके लिए एक बीज का इस्तेमाल किया जाता है जो कि खास किस्म का कच्चा माल होता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 तक वैश्विक रत्न एवं आभूषण निर्यात में एलजीडी का हिस्सा 10 प्रतिशत होने की संभावना है। ऐसी स्थिति में एलजीडी को प्रोत्साहन देकर निर्यात वृद्धि के अलावा रोजगार भी पैदा किया जा सकता है। अगर एलजीडी के बीज पर आयात शुल्क हटा दिया जाता है तो इसे बहुत मजबूती मिलेगी।

चीन में भारतीय जेनेरिक दवाओं की मांग बढ़ी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

चीन में कोरोना संक्रमण के मामलों में भारी वृद्धि के बीच यहां भारतीय जेनेरिक दवाओं की मांग काफी बढ़ गई है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। इस बीच चीनी विशेषज्ञ आगाह कर रहे हैं कि इन दवाओं के नकली संस्करण बाजार में बड़ी मात्रा में देखे जा रहे हैं। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा प्रशासन ने कहा कि दवा कंपनी फाइजर की पैक्स्लोविड ओरल दवा जिसका इस्तेमाल कोविड-19 के इलाज में किया जाता है उसे बुनियादी चिकित्सा बीमा में दवाओं के रजिस्टर में शामिल नहीं किया जा सका है। फाइजर ने पैक्स्लोविड ओरल दवा की कीमत काफी अधिक बताई थी। पैक्स्लोविड की भारी कमी के कारण चीनी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारतीय जेनेरिक दवाओं की मांग काफी बढ़ गई है। चीनी मीडिया कंपनी सिक्स्थ टोन की रिपोर्ट के मुताबिक चीनी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भारत में उत्पादित कम से कम चार जेनेरिक कोविड दवाएं - प्रिमोविर पैक्सिस्टा मोलनुनाट और मोलनाट्रिस हाल के हफ्तों में बिक्री के लिए सूचीबद्ध की गई हैं। प्रिमोविर और पैक्सिस्टा पैक्सलोविड के दोनों सामान्य संस्करण हैं जबकि अन्य दो मोल्निपिराविर के

सामान्य संस्करण हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि सभी चार दवाओं को भारतीय अधिकारियों द्वारा आपातकालीन उपयोग के लिए अनुमोदित किया गया है लेकिन चीन में उपयोग के लिए इन दवाओं कोकानूनी मान्यता नहीं मिली है।

आज श्रीलंका के खिलाफ रोहित को फार्म में वापस आना होगा : पठान

नई दिल्ली । भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि कप्तान रोहित शर्मा का श्रीलंका के खिलाफ गुवाहाटी में शुरू हो रही सीरीज से पहले 50 ओवर के प्रारूप में फॉर्म हासिल करना महत्वपूर्ण होगा। रोहित को दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे में क्षेत्ररक्षण के दौरान बाएं हाथ के अंगूठे में चोट लगी थी। 2019 में पिछले एकदिवसीय विश्व कप के बाद से रोहित ने 18 पारियों में 44 की औसत और 96 की स्ट्राइक रेट से 745 रन बनाए हैं। पठान ने बताया कि चोट से वापस आना कभी आसान नहीं होता है और रोहित के लिए वापसी करना सबसे बड़ी चुनौती होगी जो एक कप्तान के रूप में लिए महत्वपूर्ण है। पठान ने कहा भारत के लिए एक सफेद गेंद के क्रिकेटर के रूप में रोहित ने पिछले कुछ वर्षों में शानदार प्रदर्शन किया हैं उन्हें इस फॉर्म को जारी रखना है और अपनी विरासत को और बेहतर बनाना है। उनकी फॉर्म में वापसी के साथ-साथ फिटनेस एक चुनौती होगी लेकिन मुझे पूरा भरोसा है वह इन चुनौतियों को पूरी तरह से निपटने वाले हैं। शिखर धवन के नहीं होने से शुभमन गिल और इशान किशन के बीच शीर्ष पर रोहित को भागीदार बनाने के लिए टॉस होगा।

भारत और श्रीलंका के बीच पहला एकदिवसीय आज रोहित और विराट की होगी वापसी

गुवाहाटी (एजेंसी)।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां मेहमान टीम श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच में जीत के साथ शुरुआत करना चाहेगी। इस सीरीज में रोहित के अलावा विराट कोहली भी खेलेंगे हालांकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमाराह के बिना ही भारतीय टीम को उतरना होगा। बुमराह को पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण टीम में नहीं रखा गया है। इस साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए टीम प्रबंधन बुमराह की फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता। रोहित और विराट कोहली जैसे बल्लेबाजों की वापसी से भारतीय टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है पर बुमराह के बाहर होने से गेंदबाजी प्रभावित हुई है। भारतीय टीम ने इस सीरीज से पहले टी20 सीरीज जीती थी। ऐसे में टीम के हौंसले बुलंद है हालांकि टी20 सीरीज में रोहित और विराट सहित कई अनुभवी खिलाड़ी शामिल नहीं थे। भारत को इस साल अक्टूबर-नवंबर में एकदिवसीय विश्व कप की मेजबानी करनी है और अंतिम क्षणों में बुमराह के बाहर होने से भारतीय टीम की रणनीति भी प्रभावित होगी। टीम में लोकेश राहुल और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों की वापसी से बल्लेबाजी क्रम को बल मिला है। आने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए यह सीरीज तैयारी के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है। इस सीरीज के बाद भारतीय टीम को न्यूजीलैंड से भी सीरीज खेलनी है। अक्टूबर-नवंबर में विश्व कप से पहले टीम को 10 महीने के दौरान 15 मैच खेलने हैं जिसमें एशिया कप शामिल नहीं है। बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पांच के लिए अधिक विकल्प भी टीम के लिए एक समस्या हैं। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और तीसरे नंबर पर कोहली का खेलना तय है। हाल में किये अच्छे प्रदर्शन के कारण इशान किशन और श्रेयस अय्यर को भी टीम में जगह देनी होगी। किशन ने हाल में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में करियर की सर्वश्रेष्ठ 210 रन की पारी खेली थी। रोहित के साथ पारी की शुरुआत के लिए वह शुभमन गिल को टक्कर दे रहे हैं। शुभमन ने बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला में नहीं खेला थापर एकदिवसीय प्रारूप में वह एक बेहतर बल्लेबाज के तौर पर उभरे हैं। अय्यर ने पिछले साल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 15 पारियों में 55.69 के औसत से 724 रन बनाए हैं। इसके अलावा टी20 प्रारूप में शानदार प्रदर्शन करने वाले सूर्यकुमार यादव भी इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर एकदिवसीय में भी अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे। इस बल्लेबाज ने श्रीलंका के खिलाफ अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय में 51 गेंद में नाबाद 112 रन की आक्रामक पारी खेली थी। एकदिवसीय क्रिकेट में हालांकि सूर्यकुमार उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जहां 16 मैच में सिर्फ दो अर्धशतक के साथ उनके नाम पर 384 रन दर्ज हैं जबकि टी20 में उनके नाम तीन शतक हैं। विश्व कप से पहले हालांकि उन्हें 50 ओवर के प्रारूप में अपने को साबित करने का पूरा अवसर मिलेगा। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की भी टीम में वापसी हुई है।

शिक्षण एक पेशा ही नहीं बल्कि कला है : धोनी

अपने शिक्षकों का प्रशंसक हूं

कासरगोड (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने यहां मशहूर शिक्षाविद प्रोफेसर के के अब्दुल गफ्फार की आत्मकथा का विमोचन किया। धानी ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षण एक पेशा ही नहीं बल्कि कला है जिसमें आप छात्रों को अनुशासित करके तराशते हैं। धोनी ने यहां एक कार्यक्रम में प्रोफेसर गफ्फार की आत्मकथा 'अनजान साक्षी का विमोचन किया। इसके साथ ही धोनी ने दुबई स्वास्थ्य प्राधिकरण के सीईओ मारवान अल मुल्ला को किताब की पहली प्रति उपहार में दी। विमोचन के अवसर पर धोनी ने कहा 'एक शिक्षक को अपने छात्रों को समझाने के लिए हर चीज सरल करनी होती है क्योंकि हर छात्र का समझने का स्तर अलग होता है और आपको सभी को समझाना होता है। मुझे लगता है कि यह एक पेशा ही नहीं बल्कि कला है। इसमें आप

छात्रों को अनुशासित करके उनके मजबूत और कमजोर पक्ष बताते हैं। मैं हमेशा से अपने स्कूल के शिक्षकों का बड़ा प्रशंसक रहा हूं। उन्होंने कहा 'मैं कभी कॉलेज नहीं गया लेकिन मुझे लगता है कि मैने जीवन में अच्छा ही किया। वह इस किताब के विमोचन के लिए ही यहां आये थे।

जोकोविच सबालेंका ने सिडनी में पुरुष और महिला एकल खिताब जीते

एडीलेड । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एडीलेड इंटरनेशनल खिताब जीत लिया है। जोकोविच ने चोटिल होने के बाद भी फाइनल में अमेरिका के गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सेबेस्टियन कोरडा को 6-7 7-6 6-4 से हराया। जोकोविच को इससे पहले हुए सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान रुस के दानिल मेदवेदेव के खिलाफ दौरान चोट लगी थी। इसके बाद भी इस सर्बियाई स्टार ने तीन घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले के बाद अपने करियर का 92वां एकल खिताब जीता। वहीं एडीलेड में यह उनका दूसरा खिताब है। इससे पहले साल 2007 में उन्होंने पहली बार यह खिताब जीता था। वहीं दूसरी ओर महिला वर्ग में दूसरी वरीय एरीना सबालेंका ने खिताबी जीता है। सबालेंका ने फाइनल में क्वालीफायर लिंडा नोसकोवा को सीधे सेट में हराकर अपना 11वां डब्यूटीए टूर एकल खिताब जीता। सबालेंका ने नोसकोवा को आसानी से 6-2 7-6 से हराया।

लागड़ ने एयर राइफल टी1 ट्रायल्स में विश्व चैंपियन को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय नौसेना के सौरव गोरख लागड़ ने डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (डीकेएसएसआर) में ग्रुप ए निशानेबाजी में 10 मीटर एयर राइफल टी1 ट्रायल में विजयी होकर मौजूदा विश्व चैंपियन को धूल चटा दी। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने सोमवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि लागड़ ने महाराष्ट्र के रुद्राक्ष बी पाटिल पर 17-9 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले, आठ-मैन रैंकिंग राउंड में, रुद्राक्ष 261.5 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहे थे, जबकि लागड़ काउंटबैक में दूसरे स्थान पर रहे थे। नौसेना की दूसरी निशानेबाज किरण अंकुश जाधव ने कांस्य पदक जीता। पुरुषों की 25 मीटर

रैपिड फायर पिस्टल (आरएफपी) में विजयवीर सिद्धू ने पंजाब के लिए एक और स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने ओलंपिक रजत पदक विजेता हिमाचल प्रदेश के विजय कुमार को पीछे छोड़ने के लिए पदक मैच में 28 हिट किए, जिनके नाम 22 हिट थे। राजस्थान के भावेश शेखावत ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

सऊदी अरब में डकार रैली की आठवीं स्टेज में भाग लेती हुई लुकास और उनके साथी चालक टिमो और नसीर व ब्यूमेल की टोयटा कारें।

बुमराह श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए

मुम्बई । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। बुमराह को पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण इस सीरीज में जगह नहीं दी गयी है। इससे पहले बुमराह को श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय दल में जगह दी गयी थी पर अब अंतिम समय पर उन्हें बाहर कर दिया गया है। बुमराह का फिट नहीं होना टीम के लिए एक झटका है क्योंकि इसी साल भारत में एकदिवसीय विश्वकप खेला जाना है। बुमराह की फिटनेस इसी प्रकार रही तो भारतीय टीम को नुकसान उठाना पड़ सकता है। बुमराह की लंबे समय बाद श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में वापसी के संकेत मिले थे। वह एशिया कप और टी-20 सीरीज के लिए भी टीम में नहीं थे। बुमराह एक मैच विजेता खिलाड़ी माने जाते हैं। कई बार उन्होंने ऐसा किया भी है। देश में इसी साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए माना जा रहा है कि इस तेज गेंदबाज का फिट रहना जरुरी है इसलिए उनकी फिटनेस से कोई जोखिम नहीं लिया जा रहा। अगर वह फिट हो जाते हैं तो विश्वकप में भारतीय टीम को लाभ होगा। उनकी गैरमौजूदगी में टीम इंडिया के पास भुवेश्वर कुमार और मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाज हैं।

प्रिटोरियस ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के ड्वेन प्रिटोरियस ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा है कि प्रिटोरियस ने टी20 लीग में खेलने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया है। ऑलराउंडर प्रिटोरियस इस साल आईपीएल में भी चेन्नई सुपरकिंग्स टीम की ओर से हिस्सा हैं। प्रीटोरियस ने साल 2016 में राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के बाद से ही 30 टी20आई 27 एकदिवसीय और तीन टेस्ट मैचों के तीनों प्रारूपों में खेला है। इस खिलाड़ी ने दक्षिण अफ्रीका की ओर से दो विश्व कप भी खेले हैं। वहीं प्रिटोरियस ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा होना उनके करियर के सबसे कठिन फैसलों में से एक था। प्रीटोरियस ने कहा कि अब वह अपना ध्यान टी20 क्रिकेट और अन्य छोटे प्रारूपों में खेलने पर लगाएंगे। 33 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपने कोचों टीम के साथियों और परिवार को उनका समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया। प्रिटोरियस ने कहा कुछ दिनों पहले मैंने अपने क्रिकेटिंग करियर के सबसे कठिन फैसलों में से एक लिया। मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का फैसला किया है। मेरे जीवन का एकमात्र लक्ष्य प्रोटियाज के लिए खेलना था हालांकि मुझे नहीं पता था कि यह कैसे होने वाला था पर भगवान ने मुझे प्रतिभा और सफल होने के लिए एक गंभीर इच्छाशक्ति दी।मैं अपने बाकी के करियर के लिए अपना ध्यान टी20 और अन्य छोटे प्रारूपों पर केंद्रित कर रहा हूं। साथ ही कहा कि मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मेरे करियर में बड़ी भूमिका निभाई। ये सभी कोच ट्रेनर और फिजियो हैं जिन्होंने मेरा समर्थन किया उन्होंने आगे अपने परिवार का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होने कहा मेरी मां पिताजी और भाई जिन्होंने मेरे शुरुआती क्रिकेट खेलने के दिनों के दौरान मेरे सपने को पूरा करने में मदद करने के लिए बहुत सारे बलिदान दिए। मेरी पत्नी और बेटे ने भी हर तरह से मेरा समर्थन किया है

संक्षिप्त समाचार

रोनाल्डो के होटल का प्रति माह का किराया है 2.5 करोड़ रुपये

रियाद । सउदी अरब के फुटबॉल क्लब अल नसार की ओर से खेल रहे पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को क्लब ने शीर्ष स्तर की सुविधाएं उपलब्ध करायी हैं। अल नसार ने रोनाल्डो को करीब 1700 करोड़ में अपने साथ जोड़ा है। यह विश्व में सबसे महंगा करार है। इसके साथ ही राजधानी रियाद में उनके रहने के लिए आलीशान व्यवस्था की गयी है। एक रिपोर्ट के अनुसार रोनाल्डो को रियाद के जिस लग्जरी होटल फोर सीजन्स में ठहराया गया है। उसका किराया करोड़ों में है। यह 3000 फीट में फैला है और इसका किराया प्रति माह किराया 250000 पाउंड 2.5 करोड़ रुपये से अधिक है। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि रोनाल्डो अपने परिवार के साथ रियाद में एक भव्य मैनसन में रहेंगे। रोनाल्डो विश्व के सबसे धनी खिलाड़ियों में हैं। उनकी कुल कमाई 115 मिलियन डॉलर तकरीबन 946 करोड़ भारतीय रुपये है। रोनाल्डो एक मैच के लिए करीब 6 करोड़ डॉलर लेते हैं। वहीं हर विज्ञापन के लिए उन्हें 5.5 करोड़ डॉलर मिलते हैं। रोनाल्डो से आगे केवल अर्जेंटीना के सुपरस्टार फुटबॉलर लियोनल मैसी और अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी लैब्रॉन जेम्स हैं.

मीडिया के सवालों पर भड़के पाक कप्तान

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम आजकल खराब दौर से गुजर रहे हैं। हाल के दिनों में उनकी टीम को लगातार हार मिली है और स्वयं उनका प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। टीम घरेलू टेस्ट सत्र में एक भी जीत हासिल नहीं कर पायी है। इसी दौरान जब उनसे एक कप्तानी को लेकर सवाल पूछे गये तो आजम भड़क गए। हुआ यूं कि बाबर से एक पत्रकार ने पूछ लिया कि क्या पिछले साल से घरेलू रिकॉर्ड खराब होने के कारण वह टेस्ट कप्तानी छोड़ने की सोच रहे हैं। इस पर पाक कप्तान ने कहा 'मुझे लगता है कि टेस्ट मैच खत्म हो चुके हैं और अब हमें सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है। इसलिए आप उसके बारे में ही सवाल पूछें। वहीं कप्तानी को लेकर फिर उठे सवाल पर उन्होंने कहा 'मुझे किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। मुझे पता है कि मैं क्या कर रहा हूं। मेरा ध्यान पाक के लिये अच्छा खेलने पर है। उन्होंने कहा 'सीमित ओवरों के क्रिकेट में हमने अच्छा प्रदर्शन किया है और न्यूजीलैंड के खिलाफ भी उस लय को बनाये रखेंगे। साथ ही कहा कि न्यूजीलैंड बहुत अच्छी टीम है और दोनों टीमों के लिए यह कठिन सीरीज होगी। उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ियों के चयन को लेकर अंतरिम मुख्य चयनकर्ता शाहिद अफरीदी से उनका कोई मसला नहीं है। उन्होंने कहा कि वह और मुख्य कोच अपनी राय देते हैं और बैठकों में अपनी रणनीति से भी चयनकर्ताओं को अवगत कराते हैं। इससे पहले कई दिग्गज खिलाड़ियों ने कहा था कि आजम को कप्तान से बाहर कर देना चाहिये।

जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले अभ्यास मैच में किर्गियोस से भिड़ेंगे

मेलबर्न (एजेंसी)।

नौ बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच और टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस शुक्रवार को रॉड लेवर एरिना में साल की शुरुआती ग्रैंड स्लैम से पहले एक अभ्यास मैच खेलेंगे। टूर्नामेंट के आयोजकों ने सोमवार को ट्वीट किया, बड़े एक्शन के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि हैशटैग एयू 2023 से पहले एक रोमांचक अभ्यास मैच के लिए आरएलए पर टेनिस के खतरनाक जोड़ी के बीच एक मुकाबला खेला जाएगा। यह पिछले साल उनके शानदार विंबलडन फाइनल और मेलबर्न में जोकोविच के ऑस्ट्रेलियन ओपन 2021 खिताब को हासिल करने के बाद पहला मैच होगा। ऑस्ट्रेलियाई अक्टूबर से कोर्ट से बाहर है। वह चोट के कारण यूनाइटेड कप से भी हट गए थे। किर्गियोस ने अपनी पिछली हार्ड-कोर्ट मीटिंग दोनों में जीत हासिल करते हुए 2-1 से अपना हेड टू हेड का रिकॉर्ड बनाया। यह पिछले साल उनके शानदार विंबलडन फाइनल और मेलबर्न में जोकोविच के ऑस्ट्रेलियन ओपन 2021 खिताब को हासिल करने के बाद पहला मैच होगा। ऑस्ट्रेलियाई अक्टूबर से कोर्ट से बाहर है। वह चोट के कारण यूनाइटेड कप से भी हट गए थे। राफेल नडाल, डेनियल मेदवेदेव, कोको गॉफ, मारिया सकारी, जेसिका पेगुला, टेलर फ्रिट्ज, अलेक्जेंडर

ज्वेरेव और अन्य सभी 16 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ से पहले रॉड लेवर एरिना में उतरने के लिए उत्सुक हैं।

सूर्यकुमार के बहाने बट ने पीसीबी पर निशाना साधा

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सलमान बट ने टीम इंडिया के बल्लेबाज सूर्यकमार यादव के बहाने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पीसीबी पर निशाना साधा है। बट ने कहा कि सूर्या भाग्यशाजी है कि वह भारत में है। इसी कारण उन्हें 30 साल की उम्र में भी राष्ट्रीय टीम में जगह मिल रही है। वहीं अगर अगर वह पाक में होते तो ऐसा नहीं होता। माना जा रहा है कि अपने इस बयान से बट ने पीसीबी के क्रिकेट ढांचे पर कटाक्ष किया है। सूर्यकुमार ने साल 2021 में इंग्लैंड के

खिलाफ 30 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। बट ने कहा मैं हर जगह पढ़ रहा था कि वह 30 वर्ष से अधिक उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आया था। मुझे लगता है कि वह भाग्यशाली है कि वह भारतीय है। यदि वह पाक में होता तो वह 30 से अधिक की नीति का शिकार होता। उन्होंने कहा पूर्व पीसीबी प्रमुख रमीज राजा के समय पीसीबी ने 30 या उससे अधिक उम्र के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में शामिल किये जाने से इंकार कर दिया था। बट ने कहा पाक में जो टीम में हैं वे ठीक हैं। जो टीम में नहीं हैं उनके पास अवसर नहीं है। सूर्यकुमार 30 साल की उम्र में टीम में शामिल हुए थे। इसलिए उनका मामला अलग है। बट ने इसके साथ ही सूर्यकुमार के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उनकी फिटनेस काफी अच्छी है और जब वह बल्लेबाजी करते हैं तो ऐसा लगता है जैसे पहले ही पता रहता है कि गेंद कहां आने वाली है।

आरपीएफ का यात्रियों की सुविधा के लिए महीने भर चलने वाला अखिल भारतीय अभियान

अहमदाबाद । रेलवे सुरक्षा बल को रेलवे संपत्ति यात्रियों यात्री क्षेत्र और उससे संबंधित मुद्दों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यात्रियों को सुगम यात्रा की सुविधा प्रदान करने के लिए और उनके बीच सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए आरपीएफ ने महीने भर चलने वाला अभियान शुरू किया और (i) महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षित डिब्बों में अनधिकृत प्रवेश के खिलाफ (ii) किन्नरों द्वारा उपद्रव भीख मांगना और जबरन वसूली के खिलाफ और (iii) सामान्य कोचों में अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा सीट हड़पने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। इस अभियान के दौरान 5100 से अधिक व्यक्तियों को महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में यात्रा करने/प्रवेश करने के लिए तथा 6300 से अधिक व्यक्तियों को दिव्याजनों के लिए आरक्षित डिब्बों में प्रवेश करने के लिए गिरफ्तार किया गया और ऐसे लोगों के खिलाफ रेलवे अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई की गई। इस दौरान इन अपराधियों से क्रमश: 6.71 लाख और 8.68 लाख रुपए जुर्माने के रूप में वसूल किए गए। कुछ किन्नरों द्वारा ट्रेन में उपद्रव करने और यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार करने के बारे में कई शिकायतें सामने आती रही हैं। इस अभियान के दौरान सघन प्रयास करते हुए 1200 से अधिक किन्नरों को ऐसी गतिविधियां करते हुए पकड़ा गया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। इनसे रेलवे एक्ट के प्रावधान के तहत जुर्माने के तौर पर 1.28 लाख रुपये की राशि वसूल की गई। इसके अलावा लंबी दूरी की ट्रेनों के सामान्य डिब्बों में सीट पर कब्जा करने के खतरे को रोकने के लिए अभियान चलाए गए। 36 व्यक्तियों को सीटों पर तौलिया फैलाने/सीट पर कब्जा करने के मामलों में शामिल होने की पहचान की गई उन्हें पकड़ा गया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। आरपीएफ को भविष्य में भी इसी भावना से ऐसे अभियान जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

आर्थिक समस्या से जूझ रहे परिवार ने की सामूहिक आत्महत्या मामले की जांच शुरू

वडोदरा। शहर के वाघोडिया क्षेत्र में आर्थिक समस्या से जूझ रहे एक परिवार के सामूहिक आत्महत्या कर लेने की घटना सामने आई है। पुलिस ने एफएसएल की मदद से मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के वाघोडिया रोड क्षेत्र में रहनेवाले प्रीतेश मिस्त्री ने अपनी पत्नी स्नेहा मिस्त्री और बेटे हर्षित मिस्त्री समूत सामूहिक आत्महत्या कर ली। शेयर बाजार से जुड़े प्रीतेश मिस्त्री ने पहले पत्नी और बेटे की तकिए से मुंह दबाकर हत्या कर दी। जिसके बाद प्रीतेश ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। घटना की खबर मिलतेही वडोदरा की पाणीगेट पुलिस मौके पर पहुंच गई और एफएसएल की मदद से मामले की जांच शुरू कर दी।

मृतक के मित्र केतन चुनारा ने बताया कि प्रीतेश ने बीती रात उनकी माता को मैसेज कर सुबह घर पर खाने को बुलाया था। मैसेज मिलने के बाद उनकी माता सुबह प्रीतेश के घर गई थीं। जहां प्रीतेश को फांसी लगी हालत में देख चौंक उठी। घर के भीतर एक पलंग पर स्नेहा मिस्त्री और हर्षित मिस्त्री के शव पड़े हुए थे। घर की एक दीवार पर लिखा था 'हम अपनी से आत्महत्या कर रहे हैं और इसके लिए कोई जिम्मेदार नहीं है।' साथ ही यह भी लिखा था कि आत्महत्या के लिए आर्थिक समस्या और कर्ज होने के कारण यह कदम उठा रहे हैं।

अतिरिक्त जानकारी मोबाइल में है। बताया जाता है कि प्रीतेश मिस्त्री पिछले 6-7 साल से कर्ज के कारण परेशान थे। हांलाकि उनकी कोई लोन चल रही थी या ब्याजखोरों से परेशान थे इसका फिलहाल कोई खुलासा नहीं हुआ। पाणीगेट इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

ज्वैलरी में सूरत शहर ने एक बार फिर गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड बनाया

सूरत भूमि, सूरत। ज्वैलरी के मामले में सूरत शहर ने एक बार फिर गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड बनाया है जहाँ हांगकांग में कोरोनेट घड़ी का रिकॉर्ड तोड़ दिया जिसमें 15000 हीरे थे। ऐसे में सूरत के हाई फैशन ज्वैलर्स हेमलभाई कपाड़िया और यूपी मेरठ के रेनाणी ज्वेल्स के हर्षितभाई बंसल ने एक और गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। इस बार सोने की असली हीरे की घड़ी का ब्रेसलेट बनाया गया है। इस घड़ी के ब्रेसलेट में 17,524 असली हीरे जड़े हुए हैं। 17524 असली हीरे में 12 प्राकृतिक असली काले हीरे भी जड़े हुए हैं। इस घड़ी में 0.72 कैरेट का हीरा भी लगाया गया है। खास बात यह है कि इस घड़ी में 113 नीलम के चोकीयां हैं जो अंग्रेजी ब्लू सफायर नेचरल बगेष्ट में भी शामिल हैं। सोने के कंगन का कुल वजन 373.030 ग्राम है।

जबकि उपयोग किए गए कुल हीरे का वजन 54.70 कैरेट है, पिछला विश्व रिकॉर्ड में उच्च फैशन जौहरी हेमलभाई कपाड़िया और रेनाणी जौहरी हर्षितभाई बंसल के पास विश्व रिकॉर्ड था। जिसमें सबसे ज्यादा डायमंड सेटिंग का गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड तोड़ते हुए 12,638 डायमंड सेट किए गए हैं।

सूरत भूमि, सूरत। वेसू स्थित एलपी सवाणी एकेडमी के प्रेरणा की थीम पर वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 36 कृतियों पर बच्चों ने प्रदर्शन किया था। बच्चों के प्रदर्शन ने अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बड़ी मात्रा में चाइनीज तुक्कल समेत तीन लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

वडोदरा। चाइनीज माझा और तुक्कल पर पूर्ण प्रतिबंध होने के बावजूद चोरी-छिपे इसका कारोबार करने वालों के खिलाफ पुलिस ने खास मुहिम चला रखी है। इसके अंतर्गत अब बड़ी संख्या में चाइनीज मांझा की सैंकड़ों रील के कई आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। अब वडोदरा पुलिस ने बाजवाडा से बड़ी संख्या में चाइनीज तुक्कल के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही उत्पादक और सप्लायर के खिलाफ केस दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा पुलिस ने पूर्व सूचना के आधार पर बाजवाडा के एक गोदाम में रेड कर 17500 चाइनीज तुक्कल के साथ दो शख्सों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए शख्सों से पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने हरणी रोड स्थित ट्रांसपोर्ट के गोदाम में छापा मारा और 5000 से ज्यादा चाइनीज तुक्कल बरामद किया। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्राथमिक जांच में चाइनीज तुक्कल का स्टॉक दिल्ली स्थित एसके इंटरनेशनल कंपनी से भेजा गया होने का खुलासा हुआ है। जिससे पुलिस ने एसके इंटरनेशनल कंपनी के मालिक के खिलाफ भी केस दर्ज कर लिया है। गुजरात में ऐसा यह पहला मामला है जिसमें उत्पादक और सप्लायर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

सेहतमंद बादाम के साथ समझदारी से मनाएं फसलों की कटाई का त्यौहार

फसलों का त्यौहार देशभर में मनाया जाता है और अलग-अलग क्षेत्रों में मुख्य फसलों के मौसम में आता है। अपनी विविधता के साथ, भारत इसे कई तरीकों से मनाता है। हालांकि, उसका भाव एक ही होता है। इसे माघी कहते हैं और उत्तर भारत में लोहड़ी, उत्तर-पूर्व में माघ बिहू और पश्चिम में उत्तरायन, दक्षिण में पोंगल और दक्षिण तथा पूर्व में मकर संक्रांति के रूप में मनाया जाता है। दरअसल, यह त्यौहार बेहतर फसल होने पर आभार व्यक्त करने का एक तरीका है। इसमें परिवार और दोस्तों को वही चीजें खिलाई जाती हैं जोकि फसलों से मिलती हैं।

इस अवसर पर, परंपरा के अनुसार, हम काफी सारा मीठा और नमकीन खाते हैं। हालांकि, उनमें थोड़े-थोड़े बहुत बदलाव किए जा सकते हैं और इस मौके को सेहतमंद बनाया जा सकता है। जैसे कि, अपने दोस्तों और परिवार के लोगों को मिठाई का डिब्बा देने की बजाय आप उन्हें बादाम के खास बॉक्स तोहफे में दे सकते हैं। इसके अलावा, बादाम "अच्छी सेहत का तोहफा" होता है, जो ऐसे अवसरों पर इसे तोहफे का एक हेल्दी विकल्प बनाता है। बादाम को मैगनीशियम, कॉपर जैसे पोषक तत्वों और डाइटरी फाइबर के विकल्प के रूप में जाना जाता है। साथ ही इम्युनिटी बढ़ाने वाले एंटीऑक्सीडेंट विटामिन ई के साथ प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत होता है। बादाम में अनसैचुरेटेड फैट्स भी काफी मात्रा में होते हैं, जोकि सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। रिसर्च, बादाम खाने के कई सारे फायदों के बारे में बताते हैं, जिसमें हार्ट हेल्थ, टाइप 2 डायबिटीज का प्रबंधन और संतुष्टि का बेहतर होना शामिल है।

पत्नी के आतंक से परेशान पति ने बेटे के साथ की आत्महत्या मरने से पहले बयां किया अपना दर्द

वडोदरा। आत्महत्या की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं जिसमें अलग अलग कारणों की वजह से लोग आत्महत्या का रास्ता अख्तियार करते हैं। ज्यातार महिलाएं गृहक्लेश में तो विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर आत्महत्या कर लेते हैं। आत्महत्या की एक और घटना सामने आई है जिसमें एक पति ने पत्नी के आतंक से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि पिता ने पहले बेटे की हत्या की और बाद में आत्महत्या की। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की है। घटना वडोदरा के बापोद की है। बापोद के वुडा के मकान में रहनेवाले एक शख्स ने बेटे के साथ आत्महत्या कर ली। खबर मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई। शख्स की जेब से स्युसाइड नोट मिला है जिसमें लिखा था 'मैं अपनी पत्नी के अत्याचार से तंग आकर आत्महत्या कर रहा हूं।' पुलिस ने स्युसाइड नोट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। चर्चा है कि शख्स ने पहले अपने बेटे की हत्या की और बाद में खुद ने आत्महत्या कर ली। सच्चाई क्या है इसका पता पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के बाद सामने आएगा। फिलहाल पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है।

"किशोरी उत्कर्ष पहल" के तहत ज्ञान गंगा प्रवाह का व्यापक प्रसार जगडिया तालुका में शुरू हुआ

जिल्ला प्रशासन, भरूच और विभिन्न हितधारकों (मुख्य रूप से डीसीएम श्रीराम फाउंडेशन, सीएसआरबॉक्स (एसएमइसी ट्रस्ट), यूनिसेफ, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और जिला पंचायत, भरूच की स्वास्थ्य शाखा, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय,आइसीडीएस सेल) के संयुक्त प्रयास के माध्यम से संकेतित) जांगिया तालुका में विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में 10 से 19 वर्ष की स्कूल जाने वाली लड़कियों के बीच प्राथमिक शिक्षण, स्वास्थ्य और स्वच्छता, अच्छे पोषण, कौशल विकास, विशिष्ट अधिकारों और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करने और किशोरियों को आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना करने के लिए सशक्त बनाने के उद्देश्य से च्किशोरी उत्कर्ष पहलज्ज के तहत शुरू किया गया। जगडिया तालुका के विभिन्न गांवों में कार्यान्वयन संगठन और घर-घर जाकर स्कूल गएतथा विशेष रूप से विद्यालय न जाने वाली बालिकाओं तक पहुँच कर निकटवर्ती सरकारी या अर्धसरकारी विद्यालयों में बालिकाओं का गुणात्मक प्रशिक्षण सक्रिय रूप से प्रारम्भ किया गया है।

वर्तमान में दिनांक 29 दिसम्बर 2022 को श्री विजय विद्या मंदिर, अविधि एवं दीवान धनजीशाह उच्च विद्यालय में जिला सहायक कलेक्टर, मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी, नोडल अधिकारी, प्रख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पलक कापड़िया आदि प्रतिनिधि क्रियान्वयन एजेंसी के पदाधिकारियों के समन्वय से कार्य कर रहे हैं., जगडिया तालुका क्रमश: "किशोरी उत्कर्ष पहल" के तहत सभी प्रशिक्षु लड़कियों का दौरा करना,सदर सीएसआर पहल के तहत विशेष रूप से नवीन विचारों, कार्यशैली और दृष्टिकोण के त्रिवेणी संगम के माध्यम से प्रतिभागी बालिकाओं के प्रशिक्षण काल को और अधिक रोचक, ज्ञानवर्धक और लाभकारी बनाने के लिए व्यापक चर्चा एवं पूछताछ की गई और आने वाले दिनों के लिए आवश्यक चर्चा की गई।

Gyscoal Alloys Ltd. निर्यात पर ध्यान केंद्रित करता है

BSE और NSE सूचीबद्ध, Gyscoal Alloys Limited (GAL), एक इुस्ह 9001-2015 प्रमाणित कंपनी, जो 200 श्रृंखलाओं के बीच के एंगल बार्स, ब्राइट और ब्लैक बार्स, फ्लैट्स, इनगॉट्स आदि सहित विभिन्न ग्रेड के स्टेनलेस स्टील उत्पादों के निर्माण में लगी हुई है। 400 श्रृंखला जिसमें शेयरों के राइट्स इश्यू की घोषणा प्रत्येक 100 शेयरों के लिए 110 शेयरों के अनुपात में 2.75 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से की गई थी। श्री विरल शाह - अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के अनुसार, Gyscoal स्टेनलेस और हल्के स्टील के इस बढ़ते उद्योग में एक उत्साही उद्यमी है और उसने नए कौशल हासिल किए हैं और बेहतर उत्पाद देने के लिए नई अत्याधुनिक तकनीकों को अपने समर्थन में लाया है। एक मापा और रणनीतिक निर्माण प्रक्रिया के साथ, Gyscoal संयंत्र वफादार ग्राहकों को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करते हैं।

कंपनी की योजना टीएमटी संयंत्रों के साथ-साथ सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना करने की भी है, जिससे खपत की जाने वाली बिजली की लागत कम होगी और लाभप्रदता बढ़ेगी। साथ ही बिजली उत्पादन से भी ओटी को ईको फ्रेंडली बनने में मदद मिलेगी। निर्यात पर ध्यान दें। कंपनी पहले से ही अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, यूरोप और एशिया के विभिन्न देशों में निर्यात कर रही है, जिससे इसकी लाभप्रदता बढ़ने की उम्मीद है। यह अपने ग्राहक आधार के साथ विस्तार करने और नए ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करने और विदेशी निर्यात बाजारों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की योजना बना रहा है।

Gyscoal सभी प्रमुख वैश्विक बाजारों में एक सुसंगत आपूर्तिकर्ता है और इसकी निरंतर बेहतर गुणवत्ता और उच्च स्तर की विश्वसनीयता के कारण सभी प्रमुख निर्यात ग्राहकों से उच्च स्तर की स्वीकृति प्राप्त है। कंपनी निर्यात से आने वाली बड़ी बिक्री के साथ उत्पादन और बिक्री के अनुमानित स्तर को आसानी से हासिल कर सकती है, जो कुल बिक्री का कम से कम 60% से 70% होगा। उद्योग में सबसे कम कार्यशील पूंजी चक्र के साथ, Gyscoal अपनी कार्यशील पूंजी को आसानी से बदल सकता है।साल में 8 से 10 बार से अधिक के लिए जो उच्च स्तर की लाभप्रदता और निवेश पर प्रतिफल सुनिश्चित करेगा। इन सकारात्मक विकासों के साथ, Gyscoal तीव्र गति से बढ़ने की ओर अग्रसर है।

रियलमी ने 12,999 रु. के शुरुआती मूल्य के साथ अपनी नंबर सीरीज़ में रियलमी 10 पेश किया

नई दिल्ली। भारत के सबसे तेजी से विकसित होते हुए स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने रियलमी 10 सीरीज़ में अपना नया स्मार्टफोन, रियलमी 10 पेश किया है। अपग्रेडेड टेक्नॉलॉजी, अत्याधुनिक फीचर्स, और सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस के साथ रियलमी इस नए साल स्मार्टफोन यज़र्स को बेहतरीन डिवाईस प्रदान करना जारी रखेगा। लॉन्च के अवसर पर श्री माधव शेठ, सीईओ, रियलमी इंडिया, वीपी, रियलमी, और प्रेसिडेंट, रियलमी इंटरनेशनल बिज़नेस ग्रुप ने कहा, ''युवाओं को किफायती मूल्य में अत्याधुनिक टेक्नॉलॉजी प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए हमने रियलमी 10 पेश किया है, जो इस सेगमेंट में सबसे स्लिम डिज़ाईन और शक्तिशाली मीडियाटेक हीलियो जी99 प्रोसेसर के साथ आया है और बेहतरीन परफॉर्मेंस के साथ सर्वश्रेष्ठ विशेषताएं प्रदान करता है। हमारे 'एपिक परफॉर्मेंस, न्यू विज़न' के दृष्टिकोण के साथ रियलमी 10 युवाओं को अपनी आधुनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए ज्यादा विकल्प प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। हम इस साल युवाओं के हाथों में रियलमी 10 और ऐसे अन्य उत्पाद देने का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं।''

रियलमी 10 अपने सेगमेंट का अग्रणी स्मार्टफोन है, जिसमें शक्तिशाली मीडियाटेक हीलियो जी99 प्रोसेसर लगा है। यह प्रोसेसर परफॉर्मेंस को 40 प्रतिशत बेहतर करके स्मूथ एप्लीकेशन, ज्यादा तेज लॉन्च, उच्च फ्रेम दर, और गेमिंग का बेहतर अनुभव सुनिश्चित करता है। रियलमी 10 में श्रेणी का पहला 33 वॉट का सुपरवूक चार्जिंग समाधान है, जो स्मार्टफोन को केवल 28 मिनट में 50 प्रतिशत तक चार्ज कर देता है। 5000 एमएएच की शक्तिशाली बैटरी के साथ रियलमी 10 को पॉवर सेविंग मोड में बहुत लंबे समय तक इस्तेमाल किया जा सकता है। इस स्मार्टफोन में 50 मेगापिक्सल का एआई कैमरा, 16 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा, प्रोफेशनल पोर्टेव्ह मोड के लिए 2 मेगापिक्सल का ब्लैकएंडव्हाईट पोर्टेव्ह लैंस, और नाईट फोटोग्राफी के लिए पहले से ज्यादा तेज शटर स्पीड है। इसमें एक एक्सक्लुसिव स्ट्रीट फोटोग्राफी मोड 2.0 है, जो 90 का पॉप फिल्टर और पिक्चर्स को जूम इन/आउट करने के लिए मैन्युअल कंट्रोल प्रदान करता है। इस स्मार्टफोन में स्मूथ अनुभव के लिए 90 हर्ट्ज़ का एडैप्टिव स्मूथ डिस्प्ले है, जो काफी विशाल है।

एचएसबीसी म्युचुअल फंड ने लॉन्च की न्यू फंड ऑफरिंग (एनएफओ) एचएसबीसी मल्टी कैप फंड

एचएसबीसी म्युचुअल फंड ने आज ओपेन-एंडेड इक्विटी स्कीम एचएसबीसी मल्टी कैप फंड लॉन्च करने की घोषणा की जो सभी प्रमुख लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप में निवेश करेगा। न्यू फंड ऑफरिंग (एनएफओ) की शुरुआत 10 जनवरी, 2023 से होगी और यह 24 जनवरी, 2023 को बंद होगा। एचएसबीसी मल्टी कैप फंड का उद्देश्य बाज़ार में उपलब्ध इक्विटी और इक्विटी से संबंधित निवेश उपकरणों में निवेश करके लंबी अवधि के लिए संपत्ति जुटाने में निवेशकों की मदद करना है।

फंड के माध्यम से किए जाने वाले निवेश में लार्ज, मिड और स्मॉल कैप की न्यूनतम हिस्सेदारी होगी (प्रत्येक में कम से कम 25 फीसदी) और शेष 25 फीसदी तक का आवंटन इक्विटी या डेट सिक्योरिटीज़ और पूंजी बाज़ार के उपकरणों में किया जाएगा। इस ढांचे को ध्यान में रखते हुए यह फंड निवेशकों को उचित विविधता उपलब्ध करा सकेगा।

एचएसबीसी असेट मैनेजमेंट (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (एचएसबीसी एएमसी) द्वारा एलएंडटी एएमसी और एलएंडटी म्युचुअल फंड की स्कीमों का अधिग्रहण किए जाने के बाद एचएसबीसी मल्टी कैप फंड के अपने पहले एनएफओ के साथ एचएसबीसी म्युचुअल फंड अब भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड द्वारा तय की गई म्युचुअल फंड स्कीमों की ज़्यादातर श्रेणियों में फंड जारी करता है। ये फंड म्युचुअल फंड के कैटेगराइजेशन और रेशनलाइजेशन के नियमों के अंतर्गत जारी किए जाते हैं। एचएसबीसी एएमसी की 100 फीसदी चुकता इक्विटी शेयर पूंजी एचएसबीसी सिक्योरिटीज़ एंड कैपिटल मार्केट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के पास है।

25 नवंबर, 2022 ("पूरी होने की तारीख") के कारोबारी घंटों से और कारोबारी घंटे पूरे होने के समय से एलएंडटी म्युचुअल फंड की स्कीमें एचएसबीसी म्युचुअल फंड ("एचएसबीसी एमएफ") को स्थानांतरित हो जाएंगी और उसका हिस्सा होंगी। एचएसबीसी एएमसी और उसके नामितों ने एलएंडटी प्रायोजकों और उसके नामितों से एलएंडटी एएमसी की संपूर्ण शेयर पूंजी का अधिग्रहण किया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-22 142 11, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)